राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 07 दिसंबर 2023 वर्ष-6, अंक-312 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहीं देर न हो जाए; नीतीश ने 'INDIA' को दी जल्दी की सलाह, मीटिंग में न जाने की वजह भी बताई

नीतीश कुमार ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि गठबंधन की अगली बैठक में हमें भविष्य की योजना बनानी चाहिए

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भजपा) के खिलाफ तैयार इंडिया गठबंधन की बैठक में हो रही देरी पर नीतीश कुमार ने सवाल उठाया है। पटना में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ÷मैं चाहता हूं कि काम आगे बढ़े। खबरों में कहा जा रहा था कि मैं बैठक में शामिल नहीं होने वाला हूं। मैं बुखार से पीड़ित था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह संभव ही नहीं है कि मैं बैठक में नहीं जाऊं।

नीतीश कुमार ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि गठबंधन की अगली बैठक में हमें भविष्य की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब काफी देरी हो रही है।

दरअसल, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जबरदस्त हार के बाद इंडिया गठबंधन के कई घटकदलों ने कांग्रेस पर सवाल उठाए थे। जदयू ने कहा था कि कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़कर गलती की थी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस का कहना था कि कांग्रेस ने गठबंधन में चुनाव लड़ा होता, तो शायद चुनाव परिणाम कुछ और होते। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी को अपनी आंतरिक कलह को खत्म करना चाहिए। गठबंधन की अब तक पटना, बेंगलुरु और मुंबई में तीन बैठक हो चुकी है। मुंबई बैठक में गठबंधन ने 14 सदस्य समन्वय समिति का गठन किया था।

आपको बता दें कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कुछ घटक दलों के प्रमुख नेताओं की अनुपलब्धता की वजह से छह दिसंबर को होने वाली गठबंधन की बैठक फिल्हाल स्थगित कर दी गई है। अब यह बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को अपने सरकारी निवास पर गठबंधन के घटकदलों के नेताओं के संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक बुलाई है।

पार्टी अध्यक्ष के कार्यालय से संबद्ध और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थाई आमंत्रित सदस्य गुरदीप सप्पल ने ट्वीट कर कहा कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक 6 दिसंबर को शाम छह बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर होगी। इसके बाद सभी सदस्यों की सुविधानुसार दिसंबर के तीसरे सप्ताह में घटकदलों के अध्यक्षों व प्रमुख नेताओं की बैठक की तिथि निर्धारित की जाएगी।

पांच में चार राज्यों में जबरदस्त हार के बाद कांग्रेस ने छह दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाने का ऐलान किया था। पर सबसे पहले तृणमूल कांग्रेस, उसके बाद जदयू और समाजवादी पार्टी ने साफ कर दिया कि उनके पार्टी अध्यक्षों का बुधवार को बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम नहीं है। इसके बाद कांग्रेस ने मुख्य बैठक को स्थगित करते हुए घटकदलों के संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक बुलाने का फैसला किया है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन चक्रवात की वजह से पैदा हुई स्थितियों की वजह से बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी अस्वस्थ्य हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के परिवार में वैवाहिक कार्यक्रम है। इसलिए, बैठक की तिथि आगे बढाने का फैसला किया गया है। अब यह बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होने की उम्मीद है।

शीला सरकार तक की जांच का आदेश, दिल्ली जल बोर्ड पर केजरीवाल का बड़ा फैसला; क्या बताई वजह

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड की सीएजी ऑडिट का फैसला किया है। उन्होंने पिछले 15 साल का ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि शीला दीक्षित की अगुआई में 2013 तक चली कांग्रेस सरकार के दौरान हुए कामकाज की भी जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री दफ्तर की ओर से बताया गया है कि जल बोर्ड में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। सरकार के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में आर्थिक अनियमितता के लगाए जा रहे आरोपों की वजह से सीएजी ऑडिट का फैसला लिया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि विपक्ष के लोग आरोप लगा रहे हैं और सीएजी ऑडिट से सब साफ हो जाएगा। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, विपक्ष के लोग कुछ कुछ आरोप लगा रहे हैं। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा यदि सीएजी ऑडिट होगा। 15 साल का ऑडिट हमने ऑर्डर किया है दिल्ली जल बोर्ड का। यह थर्ड पार्टी है, देश की सबसे बड़ी संस्था है सीएजी। दूध का दूध और पानी का पानी होगा। अगर किसी ने गड़बड़ की है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। अगर गड़बड़ नहीं की है तो ये लोग जो रोज उलट-सुलट आरोप लगाते रहते हैं वो पता चल जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड को फंड नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए कहा, %यह अफसरशाही यदि सरकार के प्रति जवाबदेह नहीं होगी तो सरकार चलाना असंभव हो जाएगा। अभी दिल्ली जल बोर्ड को फंड नहीं दिया जा रहा है। इससे पूरी दिल्ली में पानी और सीवर की बहुत बड़ी समस्या पैदा होने जा रही है। जल मंत्री आतिशी जगह-जगह जा रही हैं। अभी से कई जगह सीवर ओवरफ्लो कर रहे हैं, मेंटिनेंस की दिक्कत आ रही है। फंड की दूसरी किस्त जारी नहीं की जा रही है। यह स्थिति अच्छी नहीं है। दिल्ली सरकार ने ऑडिट का यह फैसला ऐसे समय पर किया है जब जल बोर्ड को लेकर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली भाजपा ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि दिल्ली जल बोर्ड के 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अपग्रेडेशन में भ्रष्टाचार हुआ। भाजपा ने 400-500 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए ईडी और सीबीआई से जांच की मांग की थी।

बीआर आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत के संविधान लिखने वाले डॉ भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि पूज्य बाबासाहेब ने अपना जीवन शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। संविधान के निर्माता होने के अलावा, वह सामाजिक सद्भाव के एक अमर चैंपियन थे। मोदी ने अंबेडकर के बारे में आगे कहा, जो एक दलित परिवार से थे और वंचितों के हितों के लिए अपने समर्थन के साथ भारतीय राजनीति में सबसे महत्वपूर्ण शख्सियतों में से एक बन गए।

समाज में हो रहे भेदभाव के विरुद्ध चलाया अभियान

बता दें कि बाबासाहेब का निधन 06 दिसबंर 1956 में हुआ था। उनके निधन के बाद से नेताओं ने, विशेष रूप से दलित पृष्ठभूमि वाले लोगों ने, अनुसूचित जातियों, एक प्रभावशाली मतदान समूह और अन्य कमजोर वर्गों को शिक्षा, संवैधानिक आंदोलन और उनके लिए एकीकरण के लिए आंबेडकर के प्रयासों के इर्द-गिर्द एकजुट किया है।

बाबासाहेब एक बहुत बड़े अर्थशास्त्री, न्यायविद, राजनीतिज्ञ के साथ-साथ समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर दलित जाति के हित और आजादी के लिए काम किया। उन्होंने समाज में हो रहे भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया। दलित पृष्ठभूमि से आने वाले अंबेडकर, वंचितों के अधिकारों की वकालत करते हुए भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान पर पहुंचे। 1956 में उनके निधन के बाद से, उनके विचारों की सराहना का विस्तार हुआ है।

करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव गोगामेड़ी के मर्डर की बठिंडा जेल में रची गई साजिश

संपत नेहरा पर गहराया शक, लॉरेंस बिश्नोई का है राइट हैंड

बठिंडा. राजस्थान की राजधानी जयपुर में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर दिनदहाड़े की गई हत्या से हर कोई दंग है. इस हत्याकांड में कुख्यात गैंगस्टर संपत नेहरा राजस्थान पुलिस की रडार पर हैं. संपत फिलहाल बठिंडा की केंद्रीय जेल में बंद संपत नेहरा है और पुलिस को शक है कि उसने ही जेल में बैठ कर सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की पूरी साजिश रची. सूत्रों के मुताबिक, नेहरा ने 10 महीने पहले ही गोगामेड़ी की हत्या की साजिश रची थी, जिसे मंगलवार दोपहर को अंजाम पर पहुंचाया गया.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, संपत नेहरा पर कुछ साल पहले आरोप लगे थे कि उसने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की रेकी करवाई थी. ऐसे में इस हत्याकांड के बाद राजस्थान पुलिस का संपत पर शक गहरा गया है और वह उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेने की तैयारी में है.

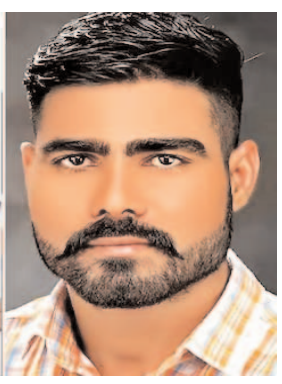

कौन है संपत नेहरा

दरअसल गैंगस्टर संपत नेहरा को लॉरेंस बिश्नोई का राइट हैंड माना जाता है. वह चंडीगढ़ स्थित डीएवी कॉलेज में लॉरेंस बिश्नोई का जूनियर था. लॉरेंस के साथ ही उसने छात्र राजनीति में कदम रखते हुए आगे चलकर जुर्म का रास्ता पकड़ लिया. लॉरेंस के इशारे पर उसने दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान में कई वारदातों को अंजाम दिया.

संपत फिलहाल बठिंडा की केंद्रीय जेल में बंद संपत नेहरा है और पुलिस को शक है कि उसने ही जेल में बैठ कर सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की पूरी साजिश रची.

संपत के खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश और फिरौती से जुड़े दर्जनों केस दर्ज हैं. पुलिस के मुताबिक, उत्तर भारत में जुर्म को अंजाम देने के बाद वह दक्षिण भारत जाकर छुप जाया करता था.

दिल्ली नहीं जाऊंगा...सीएम पद पर खुलकर दावा नहीं, पर कैसे इशारों में हर बात कह गए शिवराज

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के भविष्य पर कयास लग रहे हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करते हुए 163 सीटें पाई हैं। इसके बाद भी शिवराज सिंह चौहान सीएम बनेंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है। इस बीच हमेशा संभलकर बोलने वाले शिवराज सिंह का भी बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने सीएम पद पर खुलकर दावेदारी तो नहीं की है, लेकिन इशारों से बहुत कुछ कहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो जारी कर कहा था कि मैं भाजपा कार्यकर्ता हूं और जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे पूरा करूंगा। यही नहीं मीडिया से बाद में बात करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि मैं दिल्ली नहीं जा रहा हूं। शिवराज ने कहा था कि मैं दिल्ली नहीं बल्कि छिंदवाड़ा जा रहा हूं, जहां की सातों सीटें हम नहीं जीत सके। हमारा लक्ष्य है कि भाजपा को 2024 में सभी 29 सीटें मध्य प्रदेश में जिताकर दी जाएं। इस तरह शिवराज सिंह चौहान ने यह बताने की कोशिश की कि वह अब भी एमपी के सबसे बड़े नेता हैं और वह बिना कोई मांग किए लोकसभा इलेक्शन में जुट गए हैं। शिवराज सिंह चौहान की यह स्मार्ट स्ट्रैटेजी मानी जा रही है, जिसमें उन्होंने खुलकर कुछ कहा नहीं है और संकेतों में अपनी दावेदारी भी जता दी है। अपने बयान में शिवराज सिंह चौहान ने कई बार पीएम मोदी के नेतृत्व का जिक्र किया और खुद को सौभाग्यशाली बताया। इस तरह उन्होंने राजस्थान में वसुंधरा राजे की तरह शक्ति प्रदर्शन जैसी चीजों से दूरी बना ली है और अपने काम को गिनाया है। यही नहीं शिवराज ने माताओं-बहनों को भी संबोधित करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि बहनों फिर से 10 तारीख आ रही है, लाडली बहना योजना की राशि फिर आपके खाते में डाली जाएगी। इस तरह उन्होंने बताया है कि वह आज भी प्रदेश के मुखिया ही हैं और जनता के लिए काम करते रहेंगे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मैं एक कार्यकर्ता हूं। पार्टी ने जब जो काम किया, उसे पूरी ईमानदारी से मैंने किया है। मैं मुख्यमंत्री का दावेदार न तो पहले कभी रहा और ना आज हूं। मैं एक कार्यकर्ता के नाते उस काम को पूरी क्षमता से करूंगा, जो पार्टी मुझे सौंपेगी। मोदी जी हमारे नेता हैं और उनके साथ काम करने में हमने सदैव गर्व का अनुभव किया है। इस तरह बारीक अंदाज में शिवराज सिंह चौहान ने अपनी दावेदारी पेश की है। उनकी सरकार की लाडली बहना स्कीम को भी जीत की वजह माना जा रहा है।

13 दिसंबर से पहले भारत के संसद पर करेंगे हमला, पन्नू ने फिर उगला जहर

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी और सिख फॉर जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। उसने एक वीडियो जारी किया है। इसमें उसने कहा है कि उसे मारने की कथित विफल साजिश के बाद 13 दिसंबर या उससे पहले भारत के संसद पर वह हमला करेगा। आपको बता दें कि 13 दिसंबर के ही दिन 2001 में संसद पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था।

वीडियो में 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु का पोस्टर और दिल्ली बनेगा खालिस्तान शीर्षक दिया गया है। पन्नू ने कहा कि भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे मारने की साजिश विफल हो गई है। वह 13 दिसंबर या उससे पहले संसद पर हमला करके इसका जवाब देगा। आपको बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र के बीच यह वीडियो सामने आया है। सोमवार से शुरू हुआ यह सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा।

पन्नू का धमकी भरा वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के के-2 (कश्मीर-खालिस्तान) डेस्क ने पन्नू को भारत विरोधी बयान देने और इसे प्रचारित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे।

पिछले महीने द फाइनेंशियल टाइम्स ने अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी थी कि अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नू को मारने की साजिश को नाकाम कर दिया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार को चेतावनी भी जारी की थी। पन्नू अमेरिका स्थित सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख है। यह संगठन भारत में प्रतिबंधित है।

अमेरिकी जांच एजेंसियों ने आदालत में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का भी आरोप लगाया। चेक गणराज्य के अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है।

भारत ने अमेरिका द्वारा भारतीय अधिकारी को पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति से जोड़ने को चिंता का विषय बताया था। भारत ने कहा था कि आरोपों की जांच करने वाले पैनल के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिछले साल दिल्ली में 16 करोड़ रुपये के नकली नोट जब्त किए गए !

नई दिल्ली। नोटबंदी के सात साल बाद भी देश नकली मुद्रा की चुनौती से लगातार जूझ रहा है। पिछले साल अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 करोड़ रुपये के नकली नोट जब्त किये गये।

एनसीआरबी की हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार, नोटबंदी के बाद पहले साल में नकली नोटों के प्रचलन में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन बाद के वर्षों में इसमें फिर तेजी देखी गई।

देश में पिछले साल 42,10,406 नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 382 करोड़ रुपये थी।

राष्ट्रीय राजधानी में जब्त नकली नोटों में 2000 रुपये के 73,253 नोट; 1000 रुपये का एक नोट; 500 रुपये के 24,476 नोट; 200 रुपये के 3,160 नोट; 100 रुपये के 12,980 नोट; 50 रुपये के 5,706 नोट; 20 रुपये के 26 नोट; और 10 रुपये के 31 नोट शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतर-राज्यीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया था और 500 रुपये के 19 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के नकली नोट बरामद किये थे।

उल्लेखनीय है कि जाली मुद्रा भारतीय दंड संहिता के तहत एक दंडनीय अपराध है, और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, नकली भारतीय मुद्रा के उत्पादन, तस्करी या संचलन को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित करता है।

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी नकली नोटों की इस आमद का एक बड़ा स्रोत पश्चिमी पड़ोसी देश पाकिस्तान को बताते हैं। उनका तर्क है कि पाकिस्तान नकली मुद्रा लाकर भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के अपने दुर्भावनापूर्ण प्रयासों में लगा हुआ है। अधिकारियों ने कहा, पश्चिमी सीमा पर कड़े सुरक्षा उपायों के बावजूद, पाकिस्तान ने नकली धन की घुसपैठ के लिए वैकल्पिक मार्गों को अपनाया है और अब भारत के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे पड़ोसी देशों का इस्तेमाल कर रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, नोटबंदी के बाद काठमांडू (नेपाल), बांग्लादेश और भारत में बड़ी मात्रा में जाली नोटों की बरामदगी की जांच से पता चला है कि पहले नकली नोटों की बड़ी खेप हवाई मार्ग से खाड़ी देशों के रास्ते पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश पहुंचाई जाती है। इसके बाद नेपाल और बांग्लादेश की खुली अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से भारत में नकली धन की तस्करी की जाती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गठजोड़ की गांठें

चुनाव में मिली हार सिर्फ हार नहीं होती, वह शह-मात के कई और मोर्चों को भी एक साथ खोल देती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस फिलहाल इन्हीं अनुभवों से गुजर रही है। बुधवार को दिल्ली में विपक्षी महागठबंधन 'इंडिया' की जो बैठक होने वाली थी, वह टाल दी गई है। कहा गया है कि बैठक अब इस महीने के तीसरे हफ्ते में कभी होगी। विधानसभा चुनावों के नतीजों ने गठजोड़ के अनेक सहयोगियों को कांग्रेस के प्रति अपना असंतोष जाहिर करने का मौका दे दिया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तो इस बात को लेकर कांग्रेस से नाराज थे ही कि मध्य प्रदेश चुनाव के दौरान उनकी पार्टी को भाव क्यों नहीं दिया गया। प्रदेश की कुछ सीटों पर समाजवादी पार्टी का प्रभाव है और अखिलेश चाहते थे कि इन सीटों के लिए कांग्रेस उससे समझौता करे। समझौता नहीं हुआ, तो उन्होंने गठजोड़ पर ही सवाल उठाते हुए प्रदेश के मतदाताओं से कांग्रेस को वोट न देने की अपील कर डाली। चुनाव नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी गठजोड़ को नसीहत देने का मौका मिल गया और यह भी खबर आ गई कि वह दिल्ली बैठक में नहीं आ रही हैं। बिहार और झारखंड के मुख्यमंत्रियों के भी दिल्ली बैठक में न आने के संकेत आए, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर होने वाली इस बैठक को टाल देने में ही भलाई समझी गई। कांग्रेस की हार को लेकर एक दिलचस्प बात आम आदमी पार्टी की ओर से कही गई है, यह बात भी कांग्रेस या विपक्ष की अन्य पार्टियों को चुभ सकती है। आम आदमी पार्टी के एक नेता ने कहा कि उत्तर भारत में अब आम आदमी पार्टी ही विपक्ष है, क्योंकि उसकी यहां दो राज्यों, यानी दिल्ली और पंजाब में सरकार है। कांग्रेस की पराजय को लेकर चली इस बयानबाजी में यह बात भुला दी गई कि तेलंगाना में कांग्रेस ने बहुत अच्छी जीत हासिल की है। हालांकि, रविवार को ही यह बात कही जाने लगी थी कि बीआरएस जैसी पार्टी को तो कांग्रेस हरा सकती है, पर भारतीय जनता पार्टी को हराने की क्षमता प्रदर्शित करने में वह नाकाम रही है। इस तर्क का निहितार्थ यह भी था कि 'इंडिया' ब्लॉक भाजपा को मात देने के मकसद से ही बनाया गया है, पर कांग्रेस इस हिसाब से बहुत अच्छी पार्टी नहीं साबित हुई है। हालांकि, एक सच यह भी है कि जिन तीन राज्यों की बात हो रही है, वे कुछ सीटों के अपवाद को छोड़कर 'इंडिया' ब्लॉक के प्रभाव वाले प्रदेश नहीं थे और वहां कांग्रेस को सीधी लड़ाई ही लड़नी थी। तो क्या यह मान लिया जाए कि 'इंडिया' ब्लॉक की संध्या वेला अब शुरू हो गई है? भारत में विपक्ष हमेशा से ही अपने वोटों को बिखरने से रोकने की कोशिशों के लिए अभिशप्त रहा है। यह बात अलग है कि अपने-अपने हितों और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का टकराव उसे बहुत ज्यादा दिन तक एकताबद्ध भी नहीं रहने देता है। चुनावी हार और जीत तो इसके अल्पविराम हैं, वरना विपक्षी दलों के जुड़ने और टूटने की यह प्रक्रिया सतत चलती रहती है। आम चुनाव अब बहुत दूर नहीं हैं और भाजपा की ओर से तो एक तरह से चुनाव अभियान शुरू भी हो गया है, इसलिए विपक्षी दलों को भी जल्द ही अपनी रणनीति को साधना होगा। विपक्षी गठबंधन रहे न रहे, उन पर ऐसे किसी गठजोड़ को बनाने का दबाव बरकरार रहेगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

एक बार फिर ईवीएम निशाने पर.....

लेखक राकेश अचल

भारत में विमर्श के लिए राजनीति के अलावा और कोई मुद्दा खड़ा ही नहीं हो पाता । भाजपा की तीन राज्यों में अप्रत्याशित प्रचंड विजय के बाद अब चुनाव में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यनि ईवीएम एक बार फिर से विवादों में है । आप कह सकते हैं कि ईवीएम विपक्ष के निशाने पर है। लेकिन सवाल ये है की ईवीएम क्या सचमुच भारत की निर्वाचन प्रक्रिया को दूषित कर रही है या उसे यूं ही बदनाम किया जा रहा है ?

ईवीएम की कहानी बड़ी दिलचस्प है । ईवीएम का जन्म कांग्रेस के शासनकाल में हुआ और अब यही ईवीएम कांग्रेस केलिए भस्मासुर बन गयी है। भारत में इलेक्ट्रोनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (बैंगलोर) और भारत इलेक्ट्रोनिक्स (हैदराबाद) द्वारा 1989 में ईवाएम को बनाने की शुरुआत हुई थी। तब इसे एक साहसिक कदम माना जा रहा था। प्रयोग के तौर पर इस ईवीएम का इस्तेमाल सबसे पहले केरल के उत्तर पारावुर विधानसभा के 50 मतदान केंद्रों में हुए उपचुनाव में किया गया। कांग्रेस सरकार ने ही साल 2004 से सभी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए इस मशीन का इस्तेमाल शुरू किया।

ईवीएम उस जमाने में आयी जब मतदान कागज की पर्चियों पर होता था। उस जमाने में बूथ कैप्चरिंग सबसे बड़ी समस्या थी । ईवीएम का विकास शायद इसी बुराई को दूर करने के लिए किये गया था।ईवीएम की खास बात यह है कि इससे बूथ कैप्चरिंग काफी मुश्किल है ,क्योंकि एक ईवीएम एक मिनट में सिर्फ 5 वोट ही दर्ज कर सकती है । एक ईवीएम में अधिकतम 2000 वोटों को रिकार्ड किया जा सकता है. और एक ईवीएम में नोटा सहित अधिकतम 64 उम्मीदवारों के नाम अंकित किए जा सकते है। ख़ास बात ये कि ईवीएम को चलाने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती है. यह बैटरी से चलती है। मजे की बात ये है कि ईवीएम लाने वाली कांग्रेस ने ही सबसे पहले इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाये लेकिन ईवीएम को बदला किसी ने नही। ईवीएम पिछले 20 साल में अनेक चुनाव करा चुकी है । ईवीएम प्राय सभी राजनितिक दलों के निशाने पर रही है । ईवीएम पर सबसे बड़ा आरोप है कि उसे हैक किया जा सकता है।

जहाँ तक मुझे याद है कि 19 मई, 1982 को परवूर विधानसभा में ईवीएम से चुनाव कराये गए थे। मुकाबला सीपीआई के प्रत्याशी सिवन पिल्लई और कांग्रेस के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एसी जोज़ के बीच था। सीपीआई के सिवन पिल्लई ने कांग्रेस के एसी जोज़ को हरा दिया था। पिल्लई को 30,450 वोट मिले थे, जबकि जोज़ को 30,327। अंतर बहुत कम था। इसके बावजूद कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाए। जोज़ ने हार नहीं मानीं। उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। जॉज की शिकायत थी कि बिना संसदीय अनुमति के चुनाव आयोग ने इलेक्शन में ईवीएम का इस्तेमाल किया। हालांकि कोर्ट ने जोज़ की याचिका को खारिज कर दिया, पर वो रुके नहीं। मामला सुप्रीम कोर्ट में लेकर गए। सुप्रीम कोर्ट ने परवूर विधानसभा के उन 50 बूथों पर बैलट पेपर के जरिए दोबारा मतदान कराने के आदेश दिए. इतना ही नहीं, दोबारा हुए चुनाव में जोज़ 2 हजार मतों के अंतर से चुनाव भी जीत गए। यानि ईवीएम कोर्ट में हार गयी। सुप्रीम कोर्ट के 1984 में आए आदेश के बाद चुनाव आयोग ने ईवीएम के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगा दी। हालांकि बाद में संसद ने ईवीएम को वैध बनाने के लिए अपने अधिनियम में संशोधन किया और 1998 से विधानसभा और लोकसभा चुनावों से इसका इस्तेमाल किया जाने लगा।

पिछले दो दशकों में देश का ऐसा कोई राजनीतिक दल नहीं है जिसने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े न किये हो । आज केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा हो,बसपा हो,सपा हो जेडीयू हो सबको ईवीएम संदिग्ध लगती है। हमारे चंबल इलाके में कुछ साल पहले भिंड ज़िले के अटेर में ईवीएम मशीन के डेमो के दौरान किसी भी बटन को दबाने पर वीवीपैट पर्चा भारतीय जनता पार्टी का निकलने के बाद ज़िले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को हटा दिया गया था। तब चुनाव आयोग कि और से सफाई दी गयी थी कि मशीनें ठीक से कैलिब्रेट नहीं हो पायी थी । हाल में हुए मप्र विधानसभा चुनाव में इसी अटेर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा सरकार के मंत्री अरविंद भदौरिया चुनाव हारे हैं।

अब स्थिति ये है कि कांग्रेस को ईवीएम पर भरोसा नहीं है और भाजपा ईवीएम के भरोसे ही देश को कांग्रेस विहीन करने के अभियान में जुटी है। एक तरफ नए सिरे से ईवीएम पर रोक की मांग की जाने लगी है। तर्क दिए जाने लगे हैं कि ईवीएम न सिर्फ हैक हो रही है बल्कि इससे मतदान की गोपनीयता भी भनग हो रही है । मतदाता की जान को खतरा बढ़ रहा है ,क्योंकि अब प्रत्याशी को बूथ के हिसाब से मतों की गणना का आंकड़ा मिल रहा है। मतदाता की पहचान आसान हो गयी ह। मतपत्रों से चुनाव के वक्त ऐसा सम्भव नहीं था क्योंकि सब मतपत्र गड्डमड्ड कर दिए जाते थे। ईवीएम कि अविश्वसनीयता सियासत से निकलकर साहित्य तक पहुँच गयी। शायरों ने लिख डाला -

चुनाव हार गए हम ,मशीन जीत गयी
लहू में भीगी हुई आस्तीन जीत गयी

मुझे लगता है कि ईवीएम को लेकर देश में एक बार फिर से बवाल होगा । फिर मामला अदालत तक जायेगा। फिर इसे बंद कर पुरानी प्रक्रिया पर लौटने की बात की जाएगी ,तर्क दिए जायेंगे,प्रमाण दिए जायेंगे लेकिन नतीजा निकलेगा ढाक के तीन पात जैसा ही। सत्तारूढ़ भाजपा शायद ही ईवीएम को बंद करने पर राजी हो। ये बात सही है कि भारत जैसे विशाल देश कि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और निष्पक्षता को बनाये रखने के लिए हमें ईवीएम के इस्तेमाल पर पुनर्विचार करना चाहिए,क्योंकि इससे लोकतंत्र की पवित्रता का मामला भी बाबस्ता है। बार-बार कहा जाता है कि दुनिया के तमाम बड़े लोकतांत्रिक देशों में मशीन का इस्तेमाल चुनाव में नहीं किया जाता तो भारत में इसकी क्या जरूरत है ?भारत में भी अमेरिका कि तरह कागज के मतपत्रों से ही चुनाव होना चाहिए।

चुनाव प्रक्रिया से ईवीएम का विस्थापन हालाँकि आसान नहीं है ,किन्तु असम्भव भी नहीं है । यदि संसद चाहे तो इस मशीन को अलविदा कह सकती है ,लेकिन आज हमारे पास जो संसद है उसमें ऐसा कर पाना शायद नामुमकिन है। क्योंकि अभी मशीन सत्तापक्ष के अनुकूल साबित हो रही है ,लगातार हो रही ह। मशीन विधानसभा चुनावों में कुछ नतीजे देती है और लोकसभा चुनावों में कुछ और। इससे लगता है कि मशीन का विवेक सरकार के अधीन होता है। अब कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष यदि भाजपा कि ही तरह ठान ले कि जैसे जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई गयी थी उसी तरह इस मशीन को भी हटा दिया जाएगा तो मुमकिन है कि बात बन जाये। अन्यथा जनता हारेगी और मशीन जीतती रहेगी। कोई उसे रोक नहीं सकता।

यदि देश में एक राष्ट्र ,एक चुनाव हुए तो कहा जाता है कि देश के चुनाव आयोग को लगभग 30 लाख कंट्रोल यूनिट, लगभग 43 लाख बैलेट यूनिट और लगभग 32 लाख वीवीपीएटी की आवश्यकता होगी।लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए लगभग 35 लाख वोटिंग यूनिट (कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपीएटी यूनिट) की कमी है।एक साथ चुनाव कराने पर विचार-विमर्श तेज होने के बीच निर्वाचन आयोग ने कुछ महीने पहले विधि आयोग को सूचित किया था कि उसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को रखने के लिए पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की भी आवश्यकता होगी।

जापानी डाइट तकनीक में लंबी उम्र का राज

रेनू सैनी

आजकल देखने में आ रहा है कि युवा भी असामयिक काल का ग्रास बन रहे हैं। कई बार व्यक्तियों को अहसास भी नहीं होता और वे चलते-चलते ही मृत्यु की गोद में सो जाते हैं। आखिर इन दिनों ऐसा क्यों देखने में आ रहा है? इसका प्रमुख कारण है लोगों का खान-पान और उनके अंदर से सकारात्मक भावों का लोप होना। आप सब यह जानते ही होंगे कि जापान एक ऐसा देश है जिसके लोग सर्वाधिक आयु वाले होते हैं। जानते हैं ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जापान के लोगों ने स्वयं को खुश, स्वस्थ एवं दीर्घायु रखने के लिए अनेक अवधारणाएं बनाई हुई हैं। यहां के लोगों की औसत आयु विश्व में चौथे स्थान पर है। यहां पुरुषों की आयु अस्सी वर्ष से ऊपर और महिलाओं की 85 वर्ष से ऊपर मानी जाती है। जापान में ही एक आइलैंड है ओकीनावा। वहां के लोगों की अधिकतर आयु तो लगभग सौ वर्ष के आसपास होती है और नब्बे साल पार करने के बाद भी ये लोग अपने दैनिक कार्यों को बड़े आराम से खुद ही करते हैं। कई देशों की कम्पनियों के प्रबंधक एवं लोग ओकीनावा में विशेष रूप से यही देखने के लिए जाते हैं कि आखिर वहां ऐसा क्या है जो लोग नब्बे वर्ष की आयु में भी स्वस्थ एवं खुश दिखाई देते हैं और अपने अंतिम समय तक सक्रिय रहते हैं। ऐसा हारा हाची बू के कारण होता है। यह एक तरह से जापानियों की डाइट तकनीक है। हारा हाची बू एक जापानी डिश भी है। हारा हाची बू की डाइट तकनीक यह है कि जब पेट 80 प्रतिशत तक भर जाए तो फिर खाना नहीं खाना चाहिए। यहां पर जापान के कई क्षेत्रों विशेषकर ओकिनावा में खाना खाने से जुड़ी पुरानी प्रथा है। वह प्रथा यही है कि पेट को 20 प्रतिशत खाली रखने से भोजन जल्दी पचता है, आलस्य दूर रहता है और व्यक्ति के मन में नकारात्मक भावनाएं कम आती हैं। एक जापानी कहावत भी है कि, 'भरे पेट के आठ हिस्से आदमी का भरण-पोषण करता है, बाकी दो डॉक्टर का भरण-पोषण करते हैं।' अर्थात् यदि व्यक्ति अस्सी प्रतिशत से अधिक पेट भर लेता है तो फिर उसे लगातार डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। यदि व्यक्ति केवल अपनी भूख का अस्सी प्रतिशत पेट भरे तो वह जीवनभर स्वस्थ रह सकता है। वर्ष 2005 में नेशनल ज्योग्राफिक पत्रिका में प्रकाशित एक लेख में जापान के ओकिनावा के निवासियों को विश्व में सर्वाधिक हेल्दी लाइफ जीने के कारण रेखांकित किया गया था। साथ ही यह भी कहा गया था कि यहां के निवासियों में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज और कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों का प्रतिशत भी बहुत कम पाया जाता है। यहां के लोग नब्बे वर्ष की आयु तक पूर्ण स्वस्थ रहते हैं और अपने नियमित कार्यों को स्वयं करते हैं। जापान के प्रसिद्ध शेफ जीरो ओनो इस समय 98 वर्ष के हैं। वे केवल जापान के ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे उम्रदराज शेफ हैं जो सक्रिय हैं। उनके हाथों की बनाई जापानी डिश सुशी बेहद लाजवाब होती है। उनके हाथों की बनाई इस डिश का स्वाद दुनिया की अनेक जानी-मानी हस्तियां कर चुकी हैं जिनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी शामिल हैं। जीरो ओनो इस उम्र में भी इतने सक्रिय इसलिए हैं क्योंकि वे प्रारंभ से ही हारा हाची बू का पालन

करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि आप तभी सक्रिय रह सकते हैं जब आप ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर रहते हैं। ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर रहने के लिए कम लेकिन पोषणयुक्त भोजन करना चाहिए। वे बिल्कुल दुबले-पतले हैं। मगर हारा हाची बू के कारण वे सदैव प्रफुल्लित, स्वस्थ और खुश नज़र आते हैं। ज्यादा एवं ठूंस-ठूंस कर खाने से व्यक्ति को स्वयं ही असुविधा का अहसास हो जाता है। हम सभी ने कूड़ेदान को देखा है। हमें अपने पेट को कूड़ेदान नहीं बनाना चाहिए। यदि हम अपने पेट में किसी भी तरह की खाद्य सामग्री डालते जाएंगे तो वह एक कूड़ेदान बनकर रह जाएगा जो कुछ समय बाद ही बीमारियों की खान में परिवर्तित हो जाएगा। लोगों के ठूंस-ठूंस कर और फास्ट फूड को अधिक महत्व देने के कारण ही आज मोटापा विश्व में एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। हारा हाची बू मोटापे से निजात पाने के लिए भी एक बढ़िया उपाय हे। हारा हाची बू को आहार में शामिल करने के कुछ छोटे और प्यारे नियम हैं जैसे कि इसे धीरे-धीरे खाएं। भोजन करते समय केवल भोजन पर ध्यान दें। उस समय मन से तनाव और समस्याओं को निकालकर एक तरफ रख दें। भोजन के समय यदि समस्याओं और तनाव पर ध्यान दिया जाता है तो उसके पोषक तत्व पूर्ण असर नहीं करते। हारा हाची बू में भोजन करते समय मोबाइल और टीवी किसी पर ध्यान नहीं दिया जाता, केवल भोजन पर ही फोकस रहता है। हारा हाची बू के अनुरूप भोजन करने से शरीर को आश्चर्यजनक लाभ पहुंचते हैं। इससे शरीर सुडौल बना रहता है। इसके साथ ही इससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं और पाचन तंत्र से संबंधित विकार भी नहीं होते। सबसे महत्वपूर्ण बात कि हारा हाची बू के अनुसार चलने से खतरनाक बीमारियां शरीर में घर नहीं बना पातीं। हारा हाची बू डिश बेशक जापान में मिलती है, लेकिन हारा हाची बू की तकनीक यानी कि जब पेट 80

विचार मंथन

नफरत की खेती, करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घर में हत्या

(लेखक - सनत जैन)

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की जयपुर स्थित उनके घर में घुसकर, हत्यारों ने उनकी हत्या कर दी। मंगलवार की दोपहर 2 बजे बदमाश उनके घर पहुंचे और बातचीत करते हुए 15 से ज्यादा गोलियां चलाकर दिनदहाड़े उनके घर में ही हत्या कर दी। इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली है। संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत के विरोध के कारण गोगामेडी चर्चा में आए थे। उनके समर्थकों ने पद्मावती की शूटिंग के दौरान भारी तोड़फोड़ की थी। सारे देश में एक आंदोलन सा चला दिया था। सिनेमा घरों में तोड़-फोड़ और एक आतंक का वातावरण बनाया गया था। आनंदपाल सिंह के एनकाउंटर के बाद उन्होंने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। करणी सेना के अध्यक्ष जिनकी घर में घुसकर हत्या की गई है, उनके खिलाफ 21 आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज थे। इनमें से सात मामले गंभीर प्रकृति के थे। नफरत की खेती का कोई अंत नहीं होता है। जो बोया जाता है, वही किसी न किसी रूप में काटना ही पड़ता है। आतंक की राजनीति, आतंक के जरिए प्रभुत्व, सत्ता बनाने की होड़ में इसी तरीके की घटनाएं हमेशा से होती आई हैं, और आगे भी होती रहेंगी। हमें यह सोचना होगा, वर्तमान समय में हम किस ओर जा रहे हैं। जरा-जरा सी बात को लेकर उत्तेजना, रोजाना मारने-काटने या दूसरों को नीचा दिखाने की जो होड़ चल पड़ी है, यह हत्याकांड भी उसी का परिणाम है।

वर्तमान स्थिति में भारत में आम और खास आदमी दोनों की ही सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारे सामाजिक संस्कार बहुत खोखले होते जा रहे हैं। हम दोहरे चरित्र के साथ जी रहे हैं। व्यक्तिगत स्वार्थ के अलावा और कोई सोच नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम इस तरीके से देखने को मिल रहे हैं। हर व्यक्ति केवल अपनी सोचता है, अपने फायदे के लिए दूसरे का किसी भी हद तक जाकर कोई भी नुकसान कर देता है। जिस स्वार्थ के लिए उसने दूसरे का नुकसान किया है, उससे उसे भी कोई फायदा नहीं होता है, उल्टे उसे ही नुकसान सहना पड़ता है। यह समझ कब आएगी। यह कहना मुश्किल है। राजनीतिक, सामाजिक या धार्मिक क्षेत्र में समाज और लोक व्यवहार में नफरत और उत्तेजना हम प्रतिदिन देखते हैं। बड़े-बड़े पदों पर बैठने वाले लोगों की वाणी में कोई संयम नहीं है। कोई सोच नहीं है। तत्काल प्रतिक्रिया देकर हम यह भी नहीं सोचते हैं, कि इसके परिणाम क्या होंगे। महाभारत काल में द्रोपदी के इतना कहने पर, कि अंधे का लड़का अंधा ही होगा। उसकी परिणीति महाभारत युद्ध के रूप में हुई। जिसमें भारी विनाश का सामना करना पड़ा। ऐतिहासिक और धार्मिक ग्रंथो में इस तरीके की हजारों घटनाएं दर्ज होने के बाद भी, वर्तमान में जिस तरीके का वातावरण देश में बना हुआ है, वह चिंतित करने वाला है।

करणी सेना के अध्यक्ष की घर में घुसकर हत्या कोई साधारण घटना नहीं है। यह इस बात का घ्योतक है, कि मरने और मारने वाले के लिए कोई भी सुरक्षा व्यवस्था अथवा सुरक्षा

कवच काम नहीं आता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने की थी। नफ़रत की सोच को हमें बदलना होगा। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरीके का वातावरण भारत में बनाया जा रहा है, वह चिंतित करने वाला है। सामाजिक सद्भाव, राजनीतिक सद्भाव और मानव जीवन में सभी को एक साथ लेकर चलने की जो प्रवृत्ति भारत की थी, हमें फिर उसका अनुसरण करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। नफरत की खेती में सिवाय विनाश के कुछ हासिल होने वाला नहीं है। प्रेम की खेती करने पर ही विकास संभव है। हमें प्रेम करना और प्रेम से रहना सीखना ही पड़ेगा।

योगक्षेमं वहाम्यहम् LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

दुनिया की टॉप-5 में शामिल हुई एलआईसी

नईदिल्ली। दुनिया में तमाम बीमा कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपनी अलग जगह बनाई है। अब एलआईसी दुनिया की पांच टॉप बीमा कंपनियों में शुमार हो गई है। एसऐंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की रैंकिंग में भारतीय जीवन बीमा निगम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी बीमा कंपनी बनी है। यह रैंकिंग साल 2022 में कंपनियों की जीवन और दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा के नकदी भंडार पर आधारित है। देश की इस सरकारी बीमाकर्ता की तुलना में आलियांज एसई, चाइना लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी आगे है। एलआईसी का नकदी भंडार 503.07 अरब डॉलर रहा। वहीं आलियांज एसई का नकदी भंडार 750.20 अरब डॉलर, चाइना लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नकदी भंडार 616.90 अरब डॉलर और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नकदी भंडार 536.80 अरब डॉलर था। एलआईसी और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नकदी भंडार वित्त वर्ष 2023 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक) का था। दुनिया की शीर्ष 50 जीवन बीमा कंपनियों की सूची में 21 कंपनियों के साथ यूरोप का दबदबा है। अगर सिर्फ देश की बात करें तो सबसे अधिक जीवन बीमा कंपनियां अमेरिका में हैं। वहां आठ बीमा कंपनियों का मुख्यालय है। इसके बाद ब्रिटेन सात कंपनियों के साथ दूसरे स्थान पर है। यूरोपीय देशों की तरह शीर्ष 50 एशियाई कंपनियों में दुनिया की 17 कंपनियां जीवन बीमा का हिस्सा थीं। मेनलैंड चाइना और जापान पांच बीमा कंपनियों के मुख्यालय के साथ सूची में शीर्ष पर है। उत्तरी अमेरिका 12वें स्थान पर है, जिनमें 8 कंपनियां अमेरिका, दो कनाडा और दो बरमूडा में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवन बीमा उद्योग के लिए एक बड़ी चिंता इस बात की है कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक बड़े पैमाने पर धन के हस्तांतरण को अपनाने में दिक्कतें हैं। कैपजेमिनाई में लाइफ, एन्युटीज और बेनिफिट सेक्टर की ग्लोबल लीडर सामंथा चौ ने कहा, 'दुनिया में ऐसा कोई भी देश नहीं है जहां धन हस्तांतरण का अनुभव न हो रहा हो। जीवन बीमा उद्योग अभी इस चुनौती से निपटने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि उसके पास सही उत्पादों और प्रौद्योगिकी की कमी है।'

किआ इंडिया ने ईवी की चार्जिंग के लिए मल्टीपल चार्ज पॉइंट ऑपरेटर जोड़े

मुंबई ।

वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने इलेक्ट्रॉनिक वाहनों (ईवी) की चार्जिंग के लिए मल्टीपल चार्ज पॉइंट ऑपरेटर (सीपीओ) को जोड़ने और अपने चार्जिंग एप में एक नई सुविधा 'के-चार्ज' शामिल करने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि माईकिआ एप में नया फीचर उपयोगकर्ताओं को देशभर में 1,000 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का पता लगाने की सुविधा देता है। इसके अलावा कार निर्माता ने अन्य कार कंपनियों के ग्राहकों के लिए भी इस चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच बढ़ाने की बात कही है। किआ ने इस पहल को लागू करने के लिए पांच चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों-स्टेटिक, चार्जजोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लॉयन चार्ज और ई-फिल के साथ सहयोग किया है। किआ इंडिया के बिक्री एवं विपणन प्रमुख हरदीप सिंह बराड़ ने के-चार्ज को ग्राहकों के लिए एक सुविधाजनक पहल बताते हुए कहा कि यह टिकाऊ गतिशीलता को सबके लिए सुविधाजनक और सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है।

जीप दे रही ग्रैंड चेरोकी पर 11.85 लाख रुपये की भारी छूट

मुंबई । जीप ने अपने मॉडल्स पर डिस्काउंट की घोषणा की है। इसमें इसके फ्लैगशिप ग्रैंड चेरोकी पर 11.85 लाख रुपये की भारी छूट शामिल है। ग्रैंड चेरोकी में 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया है, जो 270 बीएचपी और 400 एनएम उत्पन्न करता है। ट्रांसमिशन के लिए इस जीप के क्वाड्राट्रैक 4×4 सिस्टम और 8 स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है। वहीं इसमें 4 राइडिंग मोडस्-ऑटो, स्पोर्ट, मड / सैंड और स्नो भी मिलते हैं। ग्रैंड चिरोकी से पहले कंपनी कंपास और मेरिडियन एसयूवी पर भी शानदार डिस्काउंट दे रही थी। कंपास पर 2.05 लाख का डिस्काउंट मिल रहा था। ग्राहक इसका लाभ जिसमें 1.5 लाख रुपये की नकद छूट, 25,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 15,000 रुपये के कॉर्पोरेट लाभ के रुप में उठा सकते हैं। जीप मेरिडियन 4.85 लाख रुपये तक के लाभ के साथ उपलब्ध है। इसमें 4 लाख रुपये तक की नकद छूट, 25,000 रुपये का एक्सचेंज लाभ और 30,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है। डॉक्टर, लीजिंग कंपनियां और पार्टनर टॉप-स्पेक ओवरलैंड वेरिएंट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त छूट का लाभ उठा सकते हैं।

अगले साल 65,000 से 67,000 के स्तर तक जा सकता हैं सोना

मुंबई । 2 साल की सुस्ती के बाद सोने में जबरदस्त तेजी का रुख दिखाई दे रहा है। इस साल गोल्ड रिकॉर्ड स्तरों पर कारोबार कर रहा है। सोने का रेट 63,000 के स्तर दिखा चुका है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, फिलहाल सोने का भाव 62,266 रुपये पर कारोबार कर रहा है। लेकिन सवाल ये है कि क्या इतनी तेजी दिखाने के बाद सोने का भाव और बढ़ेगा? इजराइल और हमास के बीच जंग के बाद फिर से सोने के भाव में तेजी दिख रही हैं। वहीं, एक्सपट्र्स का मानना है कि आगे भी गोल्ड में तेजी का रुख जारी रह सकता है। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, क्योंकि डॉलर में गिरावट का दौर जारी है, फिलहाल यह 3 महीने के निचले स्तर के आसपास है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है। भारत में 24 कैरेट गोल्ड का भाव फिलहाल 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ऊपर ट्रेड कर रहा है। सोने-चांदी की कीमतों पर करीब से नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि लंबी अवधि में सोने में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौजूदा स्तरों से कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है लेकिन तेजी का रुख जारी रहने की संभावना है। अगले साल सोने के भाव में 65,000 से 67,000 के स्तर देखने को मिल सकते हैं। सोना मौजूदा स्तरों से अच्छा रिटर्न दे सकता है। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और जियो-राजनैतिक टेंशन जारी रहने से गोल्ड को सपोर्ट मिलेगा और इसमें अच्छी तेजी रहने की उम्मीद बनी रहेगी। इसके अलावा अमेरिकी सेंट्रल बैंक से अगले वर्ष से ब्याज दरों में कटौती किए जाने की उम्मीद है यह फैक्टर भी गोल्ड के लिए पॉजिटिव रहेगा।

आईओसी बदलेगा इले क्ट्रिक वाहनों की बैटरी, कोलकाता में खोला पहला स्टेशन

नई दिल्ली । आईओसी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बदलने के लिए पहला स्टेशन शुरु किया है। इससे अब उन लोगों को राहत होगी जिनके वाहनों की बैटरी रास्ते में ही खत्म हो जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सोमवार को कोलकाता में बैटरी को बदलने की सुविधा देने वाला अपना पहला स्टेशन खोला। आईओसी ने एक बयान में कहा कि बैटरी बदलने वाले इस स्टेशन की शुरुआत कोलकाता के न्यू टाउन में स्थित पेट्रोल पंप पर की गई। इसकी स्थापना सन मोबिलिटी के सहयोग से की गई है। इस स्टेशन पर जाकर इलेक्ट्रिक वाहन चालक डिस्चार्ज बैटरी की जगह पूरी तरह चार्ज बैटरी ले सकते हैं। इस मामले में कंपनी के निदेशक (विपणन) वी सतीश कुमार ने कहा कि बैटरी की अदला-बदली वाली प्रौद्योगिकी टिकाऊ इलेक्ट्रिक परिवहन समाधानों के प्रोत्साहन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर देती है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह स्टेशन पूर्वी भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में एक अहम भूमिका निभाएगा। इंडियन ऑयल आने वाले महीनों में सन मोबिलिटी के साथ मिलकर अपने पेट्रोल पंपों पर बैटरी स्टेशन स्थापित करेगी।

फोर्ब्स की सबसे ताकतवर महिलाओं में निर्मला सीतारमन शामिल

नई दिल्ली। फोर्ब्स की सूची में दुनिया की सौ सबसे पावरफुल महिलाओं को शुमार किया जाता है। इस बार भारत की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन समेत तीन भारी महिलाओं को शामिल किया गया है। सीतारमन 32वें स्थान पर हैं, जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और सिंगर टेलर स्विफ्ट भी शामिल हैं। इस सूची में तीन अन्य भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं,जिनके नाम - एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा (रैंक 60), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन सोमा मंडल (रैंक 70), और बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ (रैंक 76) हैं। फोर्ब्स की पावरफुल महिलाओं की सालाना लिस्ट में यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन स्पॉट पर हैं, उनके बाद यूरोपीय सेंट्रल बैंक की बॉस क्रिस्टीन लेगार्ड दूसरे स्थान पर और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमल हैरिस तीसरे स्थान पर हैं। जानें दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में जगह बनाने वाली भारतीय महिलाओं के बारे में- सीतारमण मई 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक वित्त मंत्री बनीं और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की भी प्रमुख हैं। राजनीति में आने से पहले उन्होंने यूके के एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स एसोसिएशन और बीबीसी वर्ल्ड सर्विस में भूमिकाएँ निभाईं। इसके अलावा,वह राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं। सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक और उद्योगपति शिव नादर की बेटी हैं। फोर्ब्स ने कहा कि एचसीएल टेक्नोलॉजीज की अध्यक्ष के रूप में, वह कंपनी के सभी रणनीतिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने जुलाई 2020 में अपने पिता के बाद यह पद संभाला। फोर्ब्स के अनुसार, सोमा मंडल सरकारी स्वामित्व वाली स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष हैं। 2021 में भूमिका संभालने के बाद, उन्होंने स्टील निर्माता को वित्तीय वृद्धि दर्ज करने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि उनकी लीडरशिप के पहले वर्ष में फर्म का मुनाफा तीन गुना बढ़ गया था।

अदाणी, एफएमसीजी के शेयरों में तेजी, सातवें दिन हरे निशाना पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप,एफएमसीजी, आईटी और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के बीच बुधवार घरेलू शेयर बाजार नई ऊंचाई पर पहुंच गए। विदेशी निवेशकों की तरफ से हो रही लगातार खरीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और ग्लोबल मार्केट में सकारात्मक रुख के दम पर लगातार सातवें दिन बाजार में तेजी देखी गई। बुधवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 358 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 83 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.19 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 357.59 अंक की बढ़त के साथ 69,653.73 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में बुधवार को 69,744.62 और 69,395.01 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 82.60 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,937.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में बुधवार को 20,961.95 और 20,852.15 के रेंज में कारोबार हुआ। बुधवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। विप्रो, आईटीसी, एलएंडटी,टीसीएस और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा विप्रो के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.60 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी,एक्सिस बैंक, अल्टाट्रेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एनटीपीसी के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.52 फीसदी गिर गए।

बाजार जानकार क्यों कह रहे सतर्क रहने को

शेयर बाजारों में वर्तमान में शानदार तेजी देखी जा रही हैं। तेजी का आलम यह है कि निफ्टी 500 के करीब 90 फीसदी स्टॉक और निफ्टी 50 के करीब 49 स्टॉक अपने-अपने 200 दिनों के मूविंग औसत (डीएमए) से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं। 200-डीएमए ट्रेडर्स और इंवेस्टर्स, दोनों के लिए सबसे अहम ट्रेंड इंडीकेटर होता है। यह उन ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए काफी अहम रोल निभाता है जो यह देखते हैं कि कौन से स्टॉक्स और इंडेक्स अपने उचित लेवल से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं और आने वाले समय में इनमें और उछाल आ सकता है और कौन से प्रमुख शेयर हैं, जो आने वाले समय में गिर सकते हैं और उसे बेच देना चाहिए।

पिछले कुछ समय से बाजार में काफी तेजी के साथ बढ़ोतरी ने जानकारों को सतर्क कर दिया है, जो अब उम्मीद करते हैं कि मार्केट में गिरावट आने से पहले मजबूती देखने को मिल सकती है। उनका सुझाव है कि निवेशकों को सिलेक्टिव बने रहना चाहिए और केवल वहीं निवेश करना चाहिए जहां वैल्यूएशन कम्फर्टेबल जोन में बना रहे और अर्निंग को लेकर सकारात्मकता नजर आए। बाजार जानकार ने कहा, भले ही बाजार में तेजी का दौर चल रहा है, बाजार के निकट अवधि में मजबूत होने की संभावना है क्योंकि इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों और इंडिविजुअवल निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली की जाएगी।

शेयर बाजार की वैल्यू पहली बार 4 लाख करोड़ डॉलर के पार

भारत और हांगकांग के स्टॉक मार्केट में गैप कम हुआ

मुंबई ।

वैश्विक स्तर पर भारतीय शेयर बाजार सरपट भाग रहा है। इसकी वैल्यू पहली बार 4 लाख करोड़ डॉलर के पार निकल गई, जो दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी बाजार के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। साथ ही भारत और हांगकांग के स्टॉक मार्केट के बीच का गैप कम हो गया है। बता दें कि हांगकांग का स्टॉक मार्केट तेजी से फिसल रहा है। भारत के एक्सचेंजों पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) तीन साल से भी कम समय में 1 लाख करोड़ डॉलर बढ़ गया है, क्योंकि भारतीय शेयर बाजार दक्षिण एशिया के साथ-साथ उभरती दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक के रूप में उभरा है।

रिपोर्ट के मुताबिक,पहले से ही ऑल टाइम हाई पर ट्रेड कर रहे भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इस साल 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ गए हैं और लगातार आठवें वर्ष अभूतपूर्व लाभ की ओर बढ़ रहे हैं। इसके विपरीत, हांगकांग के प्रमुख इक्विटी बेंचमार्क में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे बाजार का कुल मूल्य 4.7 लाख करोड़ डॉलर से भी कम हो गया है। भारत इस साल की शुरुआत में चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राजनीतिक स्थिरता और मजबूत घरेलू विकास क्षमता का दावा करते हुए, भारत अपने पूंजी बाजारों के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन में वैश्विक निवेश बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। विदेशी निवेशकों ने इस साल नेट बेसिस पर भारत में 15 अरब डॉलर से अधिक के शेयर खरीदे हैं, जबकि घरेलू फंडों ने 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। कोरोना महामारी के बाद से रिटेल ट्रेडिंग में आए उछाल से भी भारत में निवेश को बहुत अधिक बढ़ावा मिला है।

महाराष्ट्र में अमेरिका ने शुरु किया स्केचर्स का सबसे बड़ा वेअर हाऊस

मुंबई। भारतीय बाजार में हमारी शुरुआत 2012 में हुई थी, यह नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भारत के आशाजनक भविष्य में स्केचर्स की अभिन्न भूमिका को मज़बूत करता है। अमेरिकी फूटवियर कंपनी द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी ने अपने वैश्विक ब्रांड स्केचर्स जूतों की भारत में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मुंबई के पास पलावा सिटी में नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (एनडीसी) की शुरुआत की है। इस सेंटर से देशभर में स्केचर्स की आपूर्ति की जाएगी। यह से हर दिन 60 हजार शूज़ पेयर्स तक कुशलतापूर्वक आपूर्ति की जा सकेगी। स्केचर्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डेविड वेनबर्ग ने कहा कि स्केचर्स नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर की स्थापना से भारतीय बाजार में हमारी पकड़ और मजबूत होगी। स्केचर्स के सीईओ (साउथ एशिया) राहुल वीरा कहा कि भारत के लगातार बढ़ते हुए फुटवियर उद्योग में स्केचर्स ने साल दर साल उल्लेखनीय वृद्धि की है। हमने मुंबई में अपना कॉर्पोरेट विस्तार किया है और 400 से अधिक स्केचर्स रिटेल स्टोर्स में निवेश करते हुए व्यापक उपस्थिति स्थापित की है जो हमे हमारे उपभोक्ताओं के साथ गहराई से जोड़ती है। जैसे-जैसे भारतीय फुटवियर मार्केट अपने विस्तार के अगले चरण के लिए तैयार हो रहा है, नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर मार्केट की वर्तमान मांग को कुशलतापूर्वक पूरा करने और भावी पीढ़ियों के लिए विकास को निर्बाध रूप से आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

देश की अग्रणी फाइनेंस मैनेजमेंट कम्पनियों में शुमार जे एम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने इंदौर में शुरू की अपनी ब्रांच

इन्दौर ।

लगातार छ बार स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ देश दुनिया में नम्बर वन शहर के नाम से मशहूर हो चुके और मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी माने जाने वाला शहर इन्दौर हाल के वर्षों में असाधारण विकास क्षमता का पर्याय बन गया है। इसी से प्रेरित होकर देश की अग्रणी फाइनेंस मैनेजमेंट कम्पनियों में शुमार जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने इंदौर शहर में अपनी ब्रांच शुरू करने की घोषणा करते ब्रांच का उद्घाटन जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर सीमांत शुक्ला ने , जोनल हेड बेस्ट गोपाल सूचक , रीजनल हेड - गुजरात और एमपी तेजस जोशी और क्लस्टर हेड - इंदौर नीलेश बेंद्रे , के साथ। इस अवसर जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर , सीमांत शुक्ला ने कहा कि पिछले एक दशक में इंदौर के निवेशकों द्वारा म्यूचुअल फंड निवेश क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, जो कि अन्य क्षेत्रों के मुकाबले 9 गुना है और यह इंडस्ट्री की ग्रोथ रेट 6.5 % से भी अधिक है । उन्होंने कहा कि फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट में यह प्रभावशाली वृद्धि मध्य प्रदेश की असाधारण आर्थिक प्रगति की वजह से है, जो प्रति व्यक्ति आय (पूर्ण रूप से) में 212 % की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्शाते राज्य को देश के शीर्ष - रेटेड क्षेत्रों में से एक बनाता है । शुक्ला ने कहा कि हमें मध्य भारत में अपनी जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड की पहली ब्रांच के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है । इस स्ट्रेटेजिक मूव का उद्देश्य हमारे म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर (एमएफडी) और पार्टनर के लिए सुविधाजनक और लोकल पहुंच प्रदान करना है , जिससे वे लोकल ब्रांच सपोर्ट के साथ अपने कस्टमर को जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड के प्रोडक्ट को अधिक प्रभावी ढंग से पेश करने में सफल हो सकें । शुक्ला का मानना है कि इंदौर में हमारी उपस्थिति न केवल हमारी पहुंच का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है , बल्कि इंदौर को एक केंद्र बनाकर फाइनेंशियल ग्रोथ की संभावना वाले राज्य के रूप में मध्य प्रदेश में हमारे विश्वास को भी दर्शाती है । हम मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ इन्दौर सहित मध्य भारत क्षेत्र की वित्तीय समृद्धि में योगदान देने के लिए तत्पर है.

गौतम अडानी की कुल संपत्ति में 12.3 अरब डॉलर का आया उछाल

-एक दिन की कमाई में मुकेश अंबानी से बस दो पायदान ही रह गए पीछे

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी के चलते गौतम अडानी की कुल संपत्ति में 12.3 अरब डॉलर का उछाल आया है। इस तरह से वह दुनिया के अरबपतियों के एक दिन की कमाई में नंबर वन पोजीशन पर आ गए हैं। हालों कि मुकेश अंबानी से अडानी कुल संपे` त्ति के मामले में केवल दो पायदान ही पीछे हैं। अडानी ने मंगलवार को अपनी संपत्ति में 12.3 अरब डॉलर जोड़े। इस उछाल के बाद अब वह ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके पास अब 82.5 अरब डॉलर की कुल संपत्ति है। मंगलवार को कमाई के मामले में अडानी ने बाकी सभी अमीरों को पीछे छोड़ दिया। वह अमीरों की लिस्ट में अब मुकेश अंबानी से दो पायदान ही पीछे रह गए हैं। अंबानी इस लिस्ट में 91.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 13वें नंबर पर हैं। मुकेश अंबानी एशिया में पहले और अडानी दूसरे नंबर पर हैं। दोनों की नेटवर्थ में अब केवल 8.9 अरब डॉलर का अंतर रह गया है। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से पहले गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए थे। रिपोर्ट के बाद उनकी संपत्ति 60 अरब डॉलर तक घट गई थी और वे अमीरों की सूची में टॉप-30 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 38 अरब डॉलर की कमी देखी गई है। मंगलवार को अडानी एनर्जी में 20 फीसदी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 16.38 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 15.81 फीसदी और अडानी एंटरप्राइजेज में 10.90 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। दूसरी ओर अडानी पोर्ट्स में 9.47 फीसदी, एनडीटीवी में 8.49 फीसदी, अडानी विल्मर में 7.71 फीसदी, अडानी पावर में 6.68 फीसदी की बढ़त रही। जबकि, अंबुजा सीमेंट्स में 6.17 फीसदी और एसीसी 5.65 फीसदी की तेजी रही। बता दें कि दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एलन मस्क 222 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 2.25 अरब डॉलर की तेजी आई। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 171 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट (169 अरब डॉलर), बिल गेट्स (134 अरब डॉलर) चौथे, लैरी एलिसन (129 अरब डॉलर) पांचवें, स्टीव बाल्मर (129 अरब डॉलर) छठे, वॉरेन बफे (119 अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (119 अरब डॉलर) आठवें, मार्क जकरबर्ग (115 डॉलर नौवें) और सर्गेई ब्रिन (113 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर आ गए हैं।

बुलेट बनाने वाली कंपनी के शेयर बने रॉकेट

मुंबई ।

बुलेट बनाने वाली कंपनी के शेयर इन दिनों रॉकेट बने हुए हैं। आयशर मोटर्स के शेयरों में ऐसी जबरदस्त तेजी देखने के साथ ही एक महीने में ये 28 फीसदी तक चढ़ गए हैं। दरअसल नवंबर में ऑटो बिक्री के अच्छे आंकड़ों से शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। आयशर मोटर्स के शेयरों पर विदेशी ब्रोकरेज फर्म ने सितंबर में 4150 रुपये का टारगेट रखा था, इस शेयरों ने महज 3 महीने में ना सिर्फ हासिल किया बल्कि भाव उसके ऊपर चला गया है। फिलहाल शेयर का मौजूदा प्राइस 4136 रुपये है।

फॉरेन ब्रोकरेज फर्म ने कहा था कि निवेशकों के लिए आयशर मोटर्स के शेयर खरीदने का यह अच्छा समय है। ब्रोकरेज का मानना है कि ताजा प्रतिस्पर्धा से आयशर मोटर्स पर सीमित प्रभाव पड़ने की संभावना है। आयशर मोटर्स के शेयरों ने नवंबर में 18.25 प्रतिशत की छलांग लगाई, जो 3 वर्षों में एक महीने में सबसे बड़ी बढ़त है। हालाँकि, निफ्टी ऑटो इंडेक्स के साथ साल-दर-साल की तुलना में, स्टॉक ने अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन दिखाया। इस साल जहां निफ्टी ऑटो इंडेक्स39.50 प्रतिशत बढ़ा, वहीं आयशर मोटर्स के शेयरों में 26.23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

पिछले हफ्ते शुक्रवार को कंपनी ने नवंबर में हुई अपनी ऑटो सेल्स के आंकड़े जारी किए थे, जिसमें 350 सीसी तक इंजन वाले मॉडलों की बिक्री में 13 फीसदी के साथ 74,275 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जबकि 350 सीसी से अधिक इंजन वाले मॉडलों की बिक्री 4,810 यूनिट्स से बढ़कर 5,976 रही, जो 24 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाती है। आयशर मोटर्स सितंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले तिमाही के मुकाबले 54.7 फीसदी से बढ़कर के 1,016 करोड़ पर पहुंच गया। पिछले तिमाही में यह मुनाफा करीब 656.9 करोड़ पर था।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से पेट्रोल-डीजल के भाव में मामूली कमी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हल्की गिरावट देखी जा रही है। जिसके चलते पेट्रोल व डील के दामों में मामूली कमी देखी गई। बुधवार सुबह 6 बजे के करीब डब्ल्यूटीआई क्रूड लाल निशान में रहते हुए 72.18 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं, ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 77.20 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। यूपी में पेट्रोल की कीमत में 38 पैसे व डीजल की कीमत में 37 पैसे की गिरावट देखी गई है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट है। चहीं दूसरी ओर, महाराष्ट्र में पेट्रोल 28 और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। पंजाब, गोवा और गुजरात में पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। सी तरह पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर` बिक रहा है।

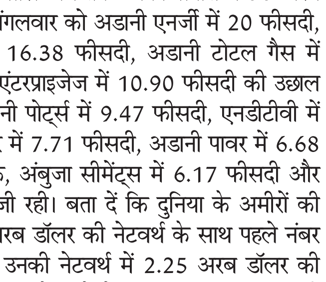

सूर्यकुमार की कप्तानी में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के लिए रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे पर आज रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टी20 भारतीय टीम बुधवार तड़के साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु से दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरी। सूर्या की कप्तानी में भारत ने हाल ही में अपने घर में ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हैं। साउथ अफ्रीका में हालांकि टीम इंडिया के लिए हमेशा से मुश्किलें पेश आई हैं। यह चुनौती आसान नहीं रहने वाली है। रिंकू सिंह ने फ्लाइट के अंदर से सोशल मीडिया पर एक सेल्फी पोस्ट की है जिसमें अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि रिंकू सिंह का यह पहला साउथ अफ्रीका दौरा है। 26 साल के इस बैटर के अलावा ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और रवि बिश्नोई भी पहली बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गए हैं। टीम इंडिया की यंगिस्तान पूरे जोश में है और कुछ कर गुजरने को तैयार है।

सभी युवा खिलाड़ी आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए दावेदारों में शुमार हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन जून 2024 में वेस्टइंडीज में होगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका में आजमाने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का अच्छा मौका है। रिंकू सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 105 रन बना। वह सिर्फ एक बार आउट हुए। लेफ्ट हैंड इस बैटर ने लगभग 190 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। रिंकू ने बतौर फिनिशिर की भूमिका निभाई। साउथ अफ्रीका दौरे पर रवाना होने वाले पहले बैच में टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सहित हेड कोच राहुल द्रविड़, बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ आदि शामिल थे।

आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंचे रवि बिश्नोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर रवि बिश्ननोई टी20 की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार रवि बिश्ननोई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन का इनाम मिला है। बिश्नोई आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस दौरान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान को पीछे छोड़ा। इसके साथ रवि बिश्नोई जसप्रीत बुमराह के क्लब में शामिल हो गए हैं। हालांकि बुमराह भी टी20 रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज रह चुके है। इस तरह टी20 में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा है। फिलहाल तो गेंदबाजों की रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि आईपीएल में लखनऊ सुपर जॉयंट्स की ओर से खेलने वाले रवि बिश्नोई पिछले सप्ताह 5वें नंबर पर थे। उन्होंने 5 पायदान की छलांग लगाते हुए नंबर वन की कुर्सी हासिल की है। रवि बिश्नोई पिछले सप्ताह 664 रेटिंग प्वॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर थे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 5 मैचों की टी20 सीरीज में 9 विकेट चटकाए। इससे उन्हें 34 पॉइंट का इजाफा हुआ। बिश्नोई के अब 699 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं जो राशिद खान के 7 अंक ज्यादा है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह को मिला स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के सचिव जय शाह को स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह अवार्ड सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स 2023 के तहत दिया गया है। बीसीसीआई ने जय शाह की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, बोर्ड के सचिव जय शाह को स्पोर्ट्स बिजनेस अवॉर्ड्स 2023 में स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए बधाई। भारतीय खेल प्रशासन में किसी भी शख्स के लिए पहली बार यह सम्मान, वास्तव में वह इसके योग्य हैं!' कार्यक्रम में सीआईआई नेशनल कमेटी ऑन स्पोर्ट्स के अध्यक्ष चाणक्य चौधरी ने भारतीय क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने में शाह की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया। गौरतलब है कि जय शाह के नेतृत्व में हाल ही में संपन्न आईसीसी पुरुष विश्व कप ने अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाले विश्व कप के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। टूर्नामेंट की शानदार सफलता ने न केवल दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के दिलों पर कब्जा कर लिया, बल्कि वैश्विक क्रिकेट पावरहाउस के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत किया है। जय शाह के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट में वेतन समानता की प्राप्ति सबसे उल्लेखनीय प्रगति बताई जा रही है। बाधाओं को तोड़ते हुए और समानता की वकालत करते हुए शाह ने यह सुनिश्चित किया कि पुरुष और महिला दोनों क्रिकेटरों को समान मुआवजा मिले, जो भारतीय खेलों के परिदृश्य में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है। यह कदम न केवल निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पाकिस्तान टीम का कोच बनने जडेजा हुए तैयार

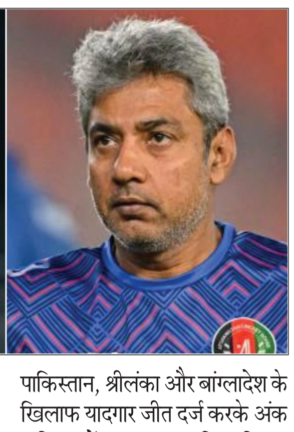

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जड़ेजा ने कहा है कि वह पाकिस्तान की टीम का कोच बनने को तैयार हैं। अफगानिस्तान ने आईसीसी विश्व एकदिवसीय कप में अपने मिन्नो लेबल को हटा दिया है जिसका श्रेय मुख्य रूप से मेंटर अजय जड़ेजा के प्रभाव को भी जाता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने पूरे विश्व कप में अफगानिस्तान के प्रदर्शन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहले दो पूर्व अभियानों में केवल एक जीत के साथ टूर्नामेंट में अंडरडॉग माने जाने वाले अफगानिस्तान ने भारत में हाल ही में चार प्रभावशाली जीत के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने छठे स्थान पर रहते हुए चैंपियंस ट्रॉफी में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उन्होंने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ यादगार जीत दर्ज करके अंक तालिका में छठा स्थान हासिल किया। बता दें कि अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने भी अफगानिस्तान के विश्व कप अभियान में उनकी बड़ी भूमिका के लिए अनुभवी क्रिकेटर की प्रशंसा की। मीडिया से बातचीत में भारत के लिए 15 टेस्ट और 196 वनडे खेलने वाले अजय जडेजा से पाकिस्तान क्रिकेट टीम में कोचिंग की भूमिका निभाने के बारे में पूछा गया। इस पर जड़ेजा ने कहा, मैं तैयार हूं। मैंने अफगानों के साथ अपनी सीख साझा की और मेरा मानना है कि पाकिस्तान भी कभी अफगानिस्तान जैसा था। आप अपने साथी के सामने कुछ भी कह सकते हैं।

बीसीसीआई के इस फैसले से नाराज हुए इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। तीनों फॉर्मेट्स में अलग-अलग कप्तान नियुक्त किए हैं। जहां वनडे की कमान केएल राहुल को दी गई है। टेस्ट की रोहित शर्मा, वहीं, टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है। भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इससे खुश नहीं हैं। पठान ने तीनों फॉर्मेट्स में अलग अलग कप्तान बनाए जाने पर कहा, ये फ्यूचर के लिए बेशक अच्छा हो सकता है। इसके बारे में काफी पहले से बात हो रही है कि तीनों फॉर्मेट में अलग अलग कप्तान हो। ये बात सच है कि वर्क लोड मैनेजमेंट का मामला यहां पर फंस जाता है। इसी वजह से आप अलग-अलग फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान और अलग-अलग स्क्वॉड देख रहे हैं। इरफान ने कहा, ये बात सच है कि रोहित शर्मा वाइट बॉल क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं। इसलिए वह वाइट बॉल सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। आप उन्हें टेस्ट मैच में कप्तान के रूप में देखते हैं, आने वाले समय में हर फॉर्मेट के लिए कोच भी बदल सकते हैं। मुझे लगता है कि अगर ऐसा हमारे कल्चर में ना ही हो तो अच्छा रहेगा। इरफान का कहना साफ है कि वह अलग-अलग फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान नहीं देखना चाहते हैं।

बांग्लादेश /न्यूजीलैंड दूसरा टेस्ट : पहले ही दिन गिरे 15 विकेट, 13 विकेट स्पिनर्स को

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने 172 रन पर आऊट होने के बाद दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन न्यूजीलैंड के भी 55 रन पर पांच विकेट चटका लिए। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी बांग्लादेश की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही थी लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें शानदार वापसी दिला दी। खराब रोशनी के कारण जब पहले दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब न्यूजीलैंड 12.4 ओवर में पांच विकेट पर 55 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। मीरपुर की विकेट पर खेलना दोनों टीमों के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहा। विकेट से असमान उछाल मिल रही थी और गेंद अधिकतर समय नीची रह रही थी। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके बांग्लादेश के बल्लेबाजों को दबाव में रखा। पहले 7 ओवर में केवल 8 रन बने। बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर (31 रन देकर तीन विकेट) और ऑफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स (65 रन देकर तीन विकेट) ने तीन-तीन जबकि बाएं हाथ के अन्य स्पिनर एजाज पटेल ने 54 रन देकर दो विकेट लिए।

कप्तान टिम साउदी ने 5.2 ओवर में एक भी रन दिए बिना एक विकेट लिया। बांग्लादेश की तरफ से मुशफिकुर रहीम ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। रहीम क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचा कर आउट होने वाले बांग्लादेश के पहले क्रिकेटर बने। रहीम के अलावा शहादत हुसैन ने 31 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। पहले टेस्ट में शतक जड़कर बांग्लादेश की जीत के नायक बने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो केवल नौ रन बना पाए।

वर्ल्ड कप में शोहरत हासिल करने वाले जेराल्ड कोइट्जे, आईपीएल में खेलने को तैयार

मुंबई। वर्ल्ड कप 2023 कई खिलाड़ियों के करियर में रोशनी लेकर आया है। कुछ खिलाड़ियों के लिए मेगा इवेंट बुरा सपना साबित हुआ, तब कुछ ने खूब नाम कमाया। इनमें से एक नाम द.अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोइट्जे का भी नाम है, जिन्होंने महज 8 माह में करियर की दिशा बदल दी। कोइट्जे ने वर्ल्ड कप में कमाल की गेंदबाजी की और शादी के बंधन में बंध चुके हैं। कोइट्जे ने अपनी शादी के फोटो शेयर किए हैं और भगवान को भी धन्यवाद दिया। द.अफ्रीका की टीम वर्ल्ड कप 2023 में आक्रामक प्रदर्शन करती नजर आई। एक तरफ से बल्लेबाज वार कर रहे थे, दूसरी तरफ टीम के गेंदबाज अपनी रफ्तार से विरोधी टीमों के परखच्चे उड़ा रहे थे। शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने सेमीफाइनल के लिए टिकट काटा। लेकिन नॉकआउट मैच में ऑस्ट्रेलिया के सामने भीगी बिल्ली साबित हुई। टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कोइट्जे का भी अहम योगदान रहा। उन्होंने महज 8 मैच में 20 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में टॉप-5 में स्थान के साथ मेगा इवेंट का अंत किया। कोइट्जे ने 8 महीने पहले इंटरनेशनल टीम में अपना डेब्यू किया था। उन्होंने वर्ल्ड कप में सारे मुकाबलों को मिलाकर कुल 14 मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 31 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान कोइट्जे ने 4 बार तीन विकेट झटके जबकि 2 बार चार बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाने में कामयाब रहे। हालांकि, अभी तक वनडे करियर में उन्होंने पंजा नहीं खोला है। शानदार प्रदर्शन और जिंदगी में नई पारी की शुरुआत करने के बाद कोइट्जे आईपीएल में भी अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं।

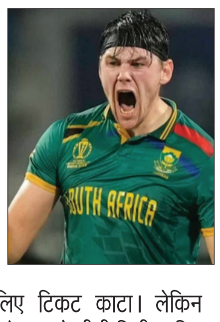

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप: स्पेन के खिलाफ आत्ममुग्धता से भारत को बचना होगा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप में सकारात्मक शुरूआत के बाद भारत को बृहस्पतिवार को पूल सी में स्पेन के खिलाफ मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। उपकप्तान अराइजीत सिंह हुंडल की हैट्रिक के दम पर भारत ने पहले मैच में कोरिया को 4 . 2 हराया। भारत के कोच सी आर कुमार टीम के प्रदर्शन से खास खुश नहीं दिखे।

उन्होंने कहा कि टीम को बाकी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करके अनावश्यक पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में छह पेनल्टी कॉर्नर दिये जबकि दो ही बना सकी। कुमार ने कोरिया के खिलाफ मैच के बाद कहा ,'' हमें खुशी है कि हमने पूरे तीन अंक लिये लेकिन हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल गंवाये जिस पर ध्यान देना होगा।'' उन्होंने कहा ,'' इतने पेनल्टी कॉर्नर देना सही नहीं है। हमने छह पेनल्टी कॉर्नर दिये और दो ही बना सके। इसमें एहतियात बरतने की जरूरत है।''

भारत ने 2001 में होबर्ट और 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीता है। वहीं 1997 में इंग्लैंड में रजत पदक जीता था। कप्तान उत्तम सिंह और हुंडल पिछली बार भी भुवनेश्वर में टूर्नामेंट खेले थे जब भारत चौथे स्थान पर रहा था। स्पेन ने 2005 में रॉटरडम में कांस्य पदक जीता था। इस पूल में भारत, स्पेन और कोरिया के अलावा कनाडा की टीम भी है। भारत को शनिवार को कनाडा से खेलना है।

पूल ए में गत चैम्पियन अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया है जबकि पूल बी में मिस्र, फ्रांस , जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका हैं। पूल डी में बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

भारतीय क्रिकेटर अश्विन को सता रहा 'मिगजॉम का डर

चेन्नई । भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को भी चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम का डर सता रहा है। उन्होंने चेन्नई के लोगों की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अपने इलाके में पिछले 30 घंटे से अधिक समय से बिजली गुल है। तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में में 'मिगजॉम तूफान ने तबाही मचाई हुई है। चेन्नई में मंगलवार को बारिश रूक गई लेकिन जगह जगह काफी पानी जमा है, बिजली कटी हुई है और मोबाइल नेटवर्क नहीं आ रहा। इस पीड़ा को अश्विन ने 'एक्स पर लिखा, 'मेरे इलाके में भी 30 घंटे से अधिक समय से बिजली नहीं है। यही हालत अधिकांश इलाकों की है। पता नहीं क्या विकल्प बचा है। गौरतलब है कि चेन्नई के रहने वाले अश्विन लगातार शहर की तस्वीरें और वीडियो क्लिप पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को क्षतिग्रस्त सड़क की वीडियो डालकर लिखा था कि एक दिन और धैर्य रखिए अगर बारिश रूक जाती है, रिकवरी में समय लगेगा। हैशटैग चेन्नई रेंस 2023। गौरतलब है कि तमिलनाडु में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में कम से कम 16 लोगों के मारे जाने के समाचार हैं।

बीसीसीआई से रोहित शर्मा की दो टूक, टी20 वर्ल्ड कप में लेना है तो अभी बताएं

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारतीय प्लेयर रोहित शर्मा ने बीसीसीआई से दो टूक कहा है कि वह उसे टी20 वर्ल्ड कप में लेना चाहती हैं तो अभी बतायें। गौरतलब है कि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट के बारे में विभिन्न बातों पर चर्चा करने के लिए भारत के कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चयन समिति के साथ लम्बी बैठक की। इस दौरान रोहित लंदन में थे और जूम कॉल के माध्यम से नई दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल हुए। रोहित कुछ महीनों की कठिन नॉन-स्टॉप क्रिकेट के बाद अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने विदेश गए थे, उन्होंने कथित तौर पर बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों और चयनकर्ताओं से पूछा क्या वह चाहते है कि वह वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप का हिस्सा बनें।

बैठक में मौजूद एक अधिकारी के हवाले से रोहित और अन्य लोगों के बीच हुई बातचीत का खुलासा हुआ। रोहित ने उपस्थित अधिकारियों और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें टी20 विश्व कप में खेलते हुए देखते हैं। अधिकारी के अनुसार बैठक में रोहित ने कहा, अगर आप मुझे टी20 विश्व कप के लिए चुनना चाहते हैं तो मुझे बताएं कि इसके बारे में कैसे जाना है। उपस्थित अधिकारी, कोच द्रविड़ और चयनकर्ता कथित तौर पर सर्वसम्मति से सहमत हुए कि रोहित टी20 विश्व कप में टीम की कमान संभालने के लिए सही व्यक्ति हैं। चयनकर्ता वास्तव में चाहते थे कि रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे से ही टी20 टीम की कमान संभालें, लेकिन अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने पूरे सफेद गेंद से ब्रेक का अनुरोध किया।

ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत आउट होने वाले मुशफिकुर रहीम बने पहले प्लेयर

नई दिल्ली। बांग्लादेश के विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील?ड के तहत आउट होने वाले पहले प्लेयर बन गए हैं। बता दें कि न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से मीरपुर में शुरू हुए दूसरे टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश के विकेटकीपर बैटर मुशफिकुर रहीम को ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड आउट घोषित किया गया। इसके साथ ही वे इस नियम के तहत आउट होने वाले बांग्लादेश के पहले बैटर बन गए हैं। मैच में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया लेकिन न्यूजीलैंड की गेंदबाजी के आगे उसके बैटर संघर्ष करते नजर आए। मैच में बांग्लादेश के तीन विकेट 41 रन के स्कोर पर गिरने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम बैटिंग के लिए आए और उन्होंने 83 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रनों की पारी खेली। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत उनकी पारी का दुर्भाग्यपूर्ण अंत हुआ। पारी के 41वें ओवर में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइले जैमिसन की गेंद पर रहीम ने डिफेंसिव शॉट खेला लेकिन उन्हें अहसास हुआ कि गेंद बल्ले से उछलकर उनके स्टंप्स को हिट कर सकती है। ऐसे में उन्होंने बाएं हाथ से गेंद को विकेट से दूर हटा दिया। इसके बाद कीवी फील्डरों ने रहीम के खिलाफ ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड की अपील की। मैदान पर मौजूद अंपायर्स ने फैसला टीवी अंपायर को रेफर किया जिन्होंने रिकॉर्डिंग को कई बार देखने के बाद फैसला न्यूजीलैंड टीम के पक्ष में दिया। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड नियम के अनुसार, कोई भी बल्लेबाज गेंद को खेलने के बाद जानबूझकर विपक्षी टीम के फील्डर्स के काम में बाधा पहुंचाता है या अपने शब्दों और ऐक्शन से उनका ध्यान भटकाता है तो उसे 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' के अंतर्गत आउट दिया जा सकता है। एमसीसी के नियम 37।1 में इस बारे में विस-?तार से बताया गया है।स्ट्राइकर अगर जानबूझकर गेंद को अपने हाथ से हटाता है (जब उसने बैट को हाथ में न पकड़ा हो)

ब्रायन लारा ने की भविष्यवाणी, शुभमन को बताया नई पीढ़ी का सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने शुभमन गिल को नई पीढ़ी का सुपर स्टार बताया है। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि शुभमन उनके सारे रिकार्ड तोड़ेगा। गौरतलब है कि ब्रायन लारा के नाम टेस्ट मैच की एक पारी में 400 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। लारा ने यह रिकॉर्ड साल 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था जो आज भी अटूट है। लेकिन लारा की मानें तो उनका यह वर्षों पुराना रिकॉर्ड भारत के उदीयमान ओपनर शुभमन गिल तोड़ेंगे। यही नहीं, लारा ने यह भी कहा है कि उनकी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेली गई नाबाद 501 रन की पारी को भी गिल ध्वस्त करेंगे। लेफ्ट हैंड पूर्व बैटर लारा ने साल 1994 में काउंटी चैंपियनशिप में वॉरविकशॉयर की ओर से खेलते हुए डरहम के खिलाफ यह रिकॉर्डतोड़ पारी खेली थी। ब्रायन लारा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। गिल ने बेशक वर्ल्ड कप में सेंचुरी नहीं जड़ी लेकिन उन्होंने पहले जो पारियां खेली है। उनके नाम तीनों फॉर्मेट में शतक हैं। वह वनडे में डबल सेंचुरी जड़ चुके हैं। वह आईपीएल में कई मैच विनिंग पारी खेल चुके हैं।

ब्रायन लारा ने 24 साल के गिल को नई सदी के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया हैं। बकौल लारा, यदि गिल काउंटी काउंटी क्रिकेट में खेलते हैं तो, वह मेरे नाबाद 501 रन के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में निश्चिततौर पर वह 400 रन के आंकड़े को भी पार कर सकते हैं। हाल के दिनों में क्रिकेट में काफी कुछ बदलाव आया है। खासकर बैटिंग में बदला हुआ माहौल है। पूरी दुनिया में बल्लेबाज टी20 लीग खेल रहे हैं। आईपीएल ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। स्कोरिंग रेट में भी भारी उछाल आया है। इसलिए शुभमन भी बड़ा स्कोर करेंगे। यह आप चाहें तो अभी नोट कर लिजिए।

बता दें कि शुभमन गिल के लिए यह साल बेहतरीन रहा है। वह वनडे क्रिकेट के नंबर वन बल्लेबाज हैं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए। गिल के नाम वनडे में सबसे तेज 2000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। वह तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने साल 2023 में वनडे में 6 शतक जड़े जिसमें एक डबल सेंचुरी भी शामिल है। इस दौरान उनका औसत 60 से भी अधिक का रहा है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में गिल को अभी अपने आप को साबित करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...

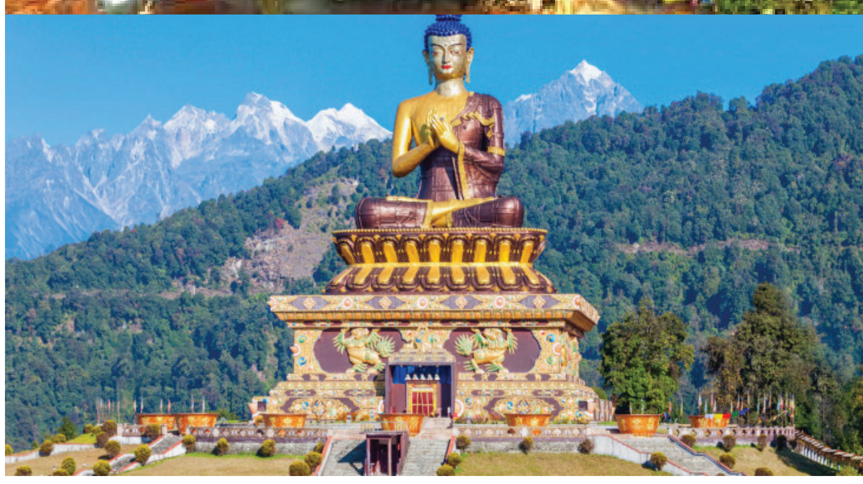

अगर आप सर्दी और क्रिसमस के दौरान विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...। सर्दी और क्रिसमस की छुट्टियां निकट हैं। छुट्टियों के दौरान अक्सर लोग पर्वतीय, बर्फीले या समुद्री इलाकों में घूमना पसंद करते हैं, तो कुछ परंपरागत लोगों को वाइल्ड लाइफ और कुदरती खूबसूरती से भरे क्षेत्रों में फुर्सत के पलों को बिताना अच्छा लगता है। ऐसे में अगर विदेश में घूमने की प्लानिंग है, तो न्यूजीलैंड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां बर्फीली चोटियां, झरने, द्वीप, अंगूर के बगीचे, लाल लकड़ियों वाले घने जंगल और दूर तक फैली समुद्र तट सब कुछ हैं।

यहां के नजारे आपको किसी स्वप्न लोक का एहसास कराएंगे। आइए, यहां के कुछ खुशनुमा पर्यटन स्थलों से आपको रूबरू कराते हैं... रोटोरुआ न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप स्थित रोटोरुआ अपनी कुदरती खूबसूरती की वजह से एक रहस्यमयी धरती है और आठवें अजूबे के रूप में दुनियाभर में लोकप्रिय है। इस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी हासिल है। यहां जमीन के अंदर से हर समय निकलते गर्म पानी के बुलबुलों को काफी उत्सुकता से लोग देखते हैं।

जमीन के गर्म पानी में वार्मबाथ लेने के लिए सैलानियों में यह क्षेत्र खूब लोकप्रिय है। इस जगह के कई और भी आकर्षण हैं। अगर आप यहां आएं, तो फ्लोटप्लेन और जेट बोटिंग का आनंद जरूर उठाएं। कंक्रीट के बने रनवे की बजाय पानी के ऊपर से ही ये प्लेन उड़ान भरते हैं। फिर सैलानियों को रोटोरुआ की हवाई सैर कराते हैं। ऊपर से शहर का प्राकृतिक नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एडवेंचर के शौकीनों को भी यहां करने के लिए बहुत कुछ है, इनमें माउंटेन बाइकिंग, स्काई डाइविंग सैलानियों को खूब पसंद आती है।

अनुपम हैं प्राकृतिक नजारें-- नेपियर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन से 320 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस शहर को माओरी भाषा में अहुरिरी कहा जाता है। यहां का हॉक्स बे इलाका पहाड़, समुद्रतट, बंदरगाह और हवाई अड्डे के कारण पर्यटन का मुख्य केंद्र है। लोग यहां दशकों पुरानी आर्ट डेको वास्तुकला को भी निहारने आते हैं। यहां का मियामी बीच काफी चर्चित है। खाने के शौकीन लोग अक्सर यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वाइन और फूड के लिए नेपियर काफी मशहूर है।

ऑकलैंड समुद्र तटों का आनंद उठाने के लिए ऑकलैंड बेहतरीन जगह है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण पानी के भीतर का सैर है। सैलानी इस यादगार लम्हे का लुत्फ उठाने से नहीं चूकते। चाहें तो यहां के नाइंटी माइल बीच पर गोताखोरी के साथ-साथ डॉलफिन मछलियों के साथ तैराकी का मजा भी ले सकते हैं। समुद्रतटों पर बने रिसॉर्ट में ठहरने का भी अपना एहसास है। यहां की रंगारंग पार्टियां, कसीनो, हॉट एयर बैलूनिंग, घुड़सवारी, बच्चों का एडवेंचर पार्क, क्लॉक म्यूजियम, काऊ वर्ल्ड पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। ऑकलैंड खरीदारी के लिए भी अच्छी जगह है। यहां कई फेमस रेस्टोरेंट और दुकानें हैं।

प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप

हम सभी यादों को कैद करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासकर अपनी यादों में संजोना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोस्ट वेडिंग शूट, मैटरनिटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देखें, तो इन खूबसूरत पलों को यादकर मुस्कुरा सकें। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। राजस्थान में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रॉयल फील देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारें में जहां पर आप प्री वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

मंडावा- अपनी खूबसूरत नक्काशी और कृतियों वाली हवेलियों के लिए जाना जाने वाला मंडावा रिच कल्चरल हेरिटेज डेस्टिनेशन है। ऐसे में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर फोटोशूट करवाते हैं।

बूंदी - राजस्थान का बूंदी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। यह हवेलियां और महल आपकी प्री-वेडिंग शूट को रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप यहां पर तारागढ़ किला, रानी जी की बावड़ी आदि में अपना शूट करवा सकते हैं।

शेखावाटी एरिया- आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पेंटिंग हो रखी है। प्री-वेडिंग शूट के लिए यह लोकेशन सबसे बेस्ट है। शेकावाटी एरिया का खूबसूरत लोकेशन आपके प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लगाने का काम करेगा।

रणकपुर- रणकपुर 15वीं शताब्दी के जैन मंदिरों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। रणकपुर में कई ऐसी जगहे हैं, जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भरतपुर- राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो यह जगह परफेक्ट है। इसके अलावा भरतपुर में आप लोहागढ़ किले में भी शूट करवा सकते हैं।

खिमसर- दरअसल, यह गांवनुमा एक रिज़ॉर्ट है। यह जगह खिमसर किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। ऐसे में यहां पर प्री वेडिंग शूट करवाना एक यूनिक आइडिया हो सकता है।

कुंभलगढ़- कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द ज़िले में स्थित एक दुर्ग है। हांलाकि इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सप्लोर किया गया है। ऐसे में यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं प्री-वेडिंग शूट के लिए यह भी एक अच्छा ऑप्शन है।

भैंसरोड़गढ़- कई कपल्स प्री वेडिंग शूट के लिए थोड़ा यूनिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो भैंसरोड़गढ़ आपको निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में नेचर और चंबल नदी का किनारा आपके शूट को खूबसूरत बनाने का काम करेगा।

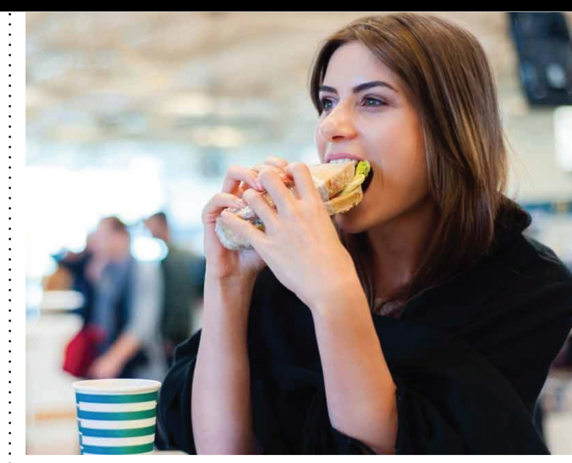

सफर के दौरान इन चीजों का सेवन हो सकता है हानिकारक

लंबी छुट्टियों के दौरान हर कोई पूरे परिवार के साथ कहीं न कहीं घूमने जाने का प्लान बनाता है। गर्मियों की छुट्टी हो या वेकेशन हिल स्टेशन जाने का अपना ही मजा होता है। कई लोग सफर के दौरान गाने सुनते हैं तो कोई किताब पढते हैं तो कोई आराम करते हैं। सफर के समय भूख लगना एक बहुत ही ज़ाहिर सी बात हैं। हम घर से काफी सारी चीजें लेकर जाते हैं सफर के लिए लेकिन सफर में हम और चीजें भी खरीद लेते हैं। जिससे कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी, जी मचलने की, सर घूमने की शिकायत रहती है और ऐसा होने पर सफर का मजा फीका पड़ जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सफर में कि चिजों का सेवन हानिकार साबित हो सकता है।

तला हुआ खाना - ध्यान रहे कि सफर में कभी भी आप तले हुए खाने का सेवन ना करें ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता हैं। ट्रेन से यात्रा के दौरान कई बार स्टेशन पर समोसे, कटलेट जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें देखकर मन ललचाने लगता है और हम भूख न लगने पर भी इनका सेवन कर लेते हैं। बाहर खुले में बिकने वाली इन चीजों को यात्रा के दौरान खाने की गलती न करें।

नॉन वेज - अगर आप सफर के दौरान नॉन वेज खाते हैं तो वह आपके पेट के लिए सहीं नहीं हैं क्योंकि नॉन वेज काफी हेवी होता हैं और उसे पचने मे काफी समय लगता हैं और सफर में हम सिर्फ बैठे रहते हैं और हम ज्यादा हिल डुल नहीं सकते हैं जिससे नॉन वेज पच नहीं पाता हैं। इसलिए ध्यान रहें कि आप सफर के समय में हल्की चीजों का सेवन करें।

दूध अंडा - दूध और अंडा भी काफी भारी होते हैं हमारे पेट के लिए और इन्हें पचने में काफी समय लगता हैं तो अगली बार जब भी आप सफर करें तो ध्यान रहें कि आप दूध और अंडे का सेवन ना करें ताकी आपकी सेहत को कोई नुकसान ना हों और आपका सफर अच्छे से बीते।

केले के चिप्स - सफर के दौरान आप सूखे केले के चीप्स खा सकते हैं। ये आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा एक मुट्ठी बादाम, भूने हुए चने, पिस्ता, सूखे कॉर्नफ्लेक्स और मूंगफली को हल्का सा सरसों के तेल या ऑलिव ऑयल में फ्राई करके पैक करके रख लें। इनके अलावा आप सेब और केले का सेवन भी कर सकते हैं।

नवविवाहित जोड़ों के लिए ये हैं 5 सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशंस

अपने पार्टनर के साथ कुछ पल अकेले गुजारना चाहते हैं तो ट्रैवलिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। खासकर न्यूली वेड्स के लिए तो ऐसा करना बेहद यादगार हो सकता है। यहां है कुछ खास रोमांटिक डेस्टिनेशंस की लिस्ट, जहां आप अपने स्पाउस के साथ जाने की तैयारी कर सकते हैं।

पॉन्डिचेरी- 1499 में वास्को डी गामा ने इसे डिस्कवर किया था। पॉन्डिचेरी या पुडुचेरी दुनिया की सबसे ज्यादा रोमांटिक डेस्टिनेशंस में से एक है। यहां के फ्रेंच कोलोनियल बिल्डिंग्स और खूबसूरत चर्च देखने लायक हैं। होटल कोरामंडल हेरिटेज में आप एक आरामदायक स्टे कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोमेनेड और ले रॉयल पार्क भी अच्छे होटल साबित होंगे। स्वाद का आनंद उठाना चाहते हैं तो कैफे जटासी, सत्संगा, बेकर स्ट्रीट बेस्ट हैं। पॉन्डिचेरी जाएं तो प्रोमेनेड बीच, पैरेडाइज बीच, ऑरोविल बीच, सेरेनिटी बीच बिलकुल भी मिस नहीं करें।

वेनिस- इटली का वेनिस भी दुनिया की बेहद रोमांटिक जगह में शामिल है। यहां के खूबसूरत कैनाल इस जगह के चार्म और मूड में चार चांद लगा देते हैं। ग्रिटी पैलेस, कार्निवल पैलेस और मोरेस्को जैसे होटल, वेनिस में रहने के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। कैनाल में एक शानदार बोट-राइड न्यूली-वेड्स के लिए यादगार साबित होगी। ये गोंडोला राइड्स के नाम से मशहूर हैं। कैनाल के अलावा पियाजा सैन मार्को भी जरूर देखें। यहां के ला जुका, रिवेरिआ और अल मेरका जैसे रेस्ट्रॉन्ट्स भी बेहद पसंद आएंगे। कुलमिलाकर प्यार को सेलेब्रेट करने के लिए वेनिस से अच्छी जगह नहीं होगी।

बोरा बोरा- बोरा बोरा को परफेक्ट लवर्स पैरेडाइज भी कहा जा सकता है। ये न्यूलीवेड्स के लिए आदर्श हनीमून डेस्टिनेशन है। यहां का माहौल किसी सपने जैसा महसूस होता है। ऐसा लगता है मानो आप दूसरी ही दुनिया में आ गए हों। एक कोजी स्टे के लिए आप होटल ले मेरीडियन, होटल मैटेयी और ब्लू हेवन आइलैंड ट्राय करें। रेस्ट्रॉन्ट्स में ला विला महाना, द लकी हाउज और ते पहु में शानदार मील्स लिए जा सकते हैं। यहां का सनसेट आप अपने पार्टनर के साथ खूब एन्जॉय करेंगे।

पैरिस- खुद को एक परफेक्ट रोमांटिक फैंटेसी में देखना चाहते हैं तो पैरिस से अच्छा कुछ नहीं। यहां के होटल रेसिडेंस फो, एक्रोपोल और शांग्रीला में रोमांटिक और बेहद आरामदायक स्टे किया जा सकता है। इस सिटी में अपने पार्टनर का हाथ पकड़कर पैदल घूमने का अलग ही मजा है। नोट्रे डेम या आइकॉनिक एफिल टॉवर में पिक्चर्स क्लिक करवाएं। पैरिस का माहौल आपकी मैरिड लाइफ में काफी रस घोल सकता है।

कॉट्सवोल्ड्स- इंग्लैंड का कॉट्सवोल्ड्स हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपको बहुत प्रिवेसी मिलेगी और साथ ही फिशिंग, स्विमिंग और बोटिंग एन्जॉय करने का वक्त भी मिलेगा। कॉट्सवोल्ड्स में ओल्ड स्टॉक इन, मेटाइम इन और बार्न्सले हाऊस में स्टे करें और यहां के अद्भुत व्यू का आनंद उठाएं। वारविक कासल, एवॉन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे लैंडमार्क्स बिलकुल मिस नहीं करें। सबसे अच्छा खाना खाने के लिए ल्युमिएर, ग्रेप एस्केप और डिनर एट सिक्स जाएं। इस जगह की हरियाली आपके अंदर के नेचर लवर को बाहर निकाल कर ले आएगी। यहां के पार्क में एक रोमांटिक पिकनिक करें। ये आपकी यादों में हमेशा बनी रहेगी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार दुर्घटना में मृत भारतीय की पत्नी ने लगाई मदद की गुहार

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण पश्चिम मेलबर्न में हुई एक कार दुर्घटना में 26 वर्षीय एक भारतीय की मौत हो गई। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार रात करीब 11.15 बजे पामर्स रोड पर जा रहे खुशदीप सिंह की गाड़ी मेडियन स्ट्रिप को पार कर पलट गई। ?जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के सटीक कारण के ?लिए डैशकैम फुटेज की जांच चल रही है। दुर्घटना की जानकारी सिंह की पत्नी जपनीत कौर को दी गई, जो पिछले साल एक अंतर्राष्ट्रीय छात्रा के रूप में ऑस्ट्रेलिया आई थी। कौर अपने पति के शव को घर वापस भेजने के लिए सोशल मीडिया के जरिए वित्तीय सहायता मांग रही है, जहां उसके माता-पिता अपने बेटे को आखिरी बार देखने का इंतजार कर रहे हैं। कौर ने गो फंड मी पेज पर पोस्ट किया, अभी मेरे पास पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं है, इसलिए कृपया इस कठिन समय में मेरी मदद करें।

बस दुर्घटना में 25 की मौत

मनीला। मध्य फिलीपींस के एंटिक प्रांत में मंगलवार शाम एक यात्री बस के पहाड़ी से गिर जाने के कारण कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इलोइलो शहर से एंटिक प्रांत में सैन जोस डी ब्यूनाविस्टा जा रही 53 यात्रियों से भरी यात्री बस सड़क किनारे बने कंक्रीट के बैरियर से टकराकर एक खड्ड में गिर गई। मृतकों में बस चालक, परिचालक सहित अन्य यात्री शामिल हैं। घायलों में केन्या के एक पुरुष सहित दो गंभीर यात्रियों को इलाज के लिए इलोइलो शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया। आपातकालीन कर्मचारी खड्ड से लोगों के शव निकालने और शेष लोगों के रेस्क्यू में लगे हैं।

भारतीयों के लिए नई मुसीबत,आसान नहीं होगा परिवार को ब्रिटेन ले जाना

लंदन। ब्रिटेन ने अपनी रणनीति के तहत अप्रवासियों की संख्या कम करने की योजना तैयारी की है। योजना के तहत वीजा के नियम इतने सख्त किए गए है कि भारतीय परिवारों को ब्रिटेन ले जाना आसान नहीं होगा। विदेशी श्रमिकों के लिए स्किल के आधार पर वीजा पाने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में ब्रिटेन लाने पर रोक लगाना शामिल है। यह फैसला भारतीयों पर सीधे तौर पर असर डालने वाला है। क्योंकि हर साल हजारों भारतीय यूके जाते हैं। ब्रिटेन के ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन में इससे जुड़ा बयान दिया। ब्रिटिश वीजा लेने के मामले में भारतीयों का दबदबा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूके के गृह विभाग के डेटा से पता चलता है कि भारतीय वीजा लेना में स्किल्ड वर्कर के साथ-साथ मेडिकल प्रोफेशनल और छात्रों की लिस्ट में भी टॉप पर हैं। कुशल श्रमिक वीजा में पिछले वर्ष सिर्फ 9 फीसदी की मामूली वृद्धि देखी गई। लेकिन स्वास्थ्य और देखभाल के वीजा में 135 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय आवेदकों की संख्या 76 फीसदी बढ़ी है। बयान के मुताबिक स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। इस फैसले का असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। क्लेवरली ने संसद को बताया, 'आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए।'

आर्थिक तंगी के चलते पाकिस्तान में चुनाव कराना हो रहा मुश्किल

इस्लामाबाद । आर्थिक संकटों से जूझ रहे पाकिस्तान के पास आम चुनाव के लिए पैसे नहीं है। चुनाव आयोग को 47 अरब रुपयों की जरुरत है, लेकिन पाक सरकार ने अभी तक जैसे-तैसे 27 अरब रुपयों की जुगाड़ कर ली है। बाकी पैसे कब, कहां से आएंगे यह कहा नहीं जा सकता है। जानकारी के अनुसार अगले साल होने वाले आम चुनाव के खर्च को लेकर पाकिस्तान जुगाड़ में लगा हुआ है। अरबों-खरबों रुपये के कर्ज में दबे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। पाकिस्तान इन दिनों वर्ल्ड बैंक से लेकर अन्य बड़े देशों से कर्ज लेने की कोशिश में जुटा हुआ है। इस बार होने वाले आम चुनाव में करीब 47 अरब रुपये की जरूरत है, लेकिन अभी तक केवल 27 अरब रुपये की ही व्यवस्था हो पाई है। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने आगामी आम चुनावों के लिए निर्वाचन आयोग को 17.4 अरब रुपये जारी किए हैं। हालांकि एक दिन पहले निर्वाचन आयोग ने धन मुहैया नहीं कराने पर चिंता जताई थी। गौरतलब है कि राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह की अस्थिरता का सामना कर रहे पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होना है। मंगलवार को एक बयान में, वित्त विभाग ने कहा कि उसने देश में आम चुनाव कराने के लिए जुलाई 2023 में जारी किए गए 10 अरब रुपये के अलावा पाकिस्तान निर्वाचन आयोग को 17.4 अरब रुपये जारी किए हैं। इससे आम चुनाव कराने के लिए कुल जारी राशि 27.4 अरब रुपये हो गई है। वित्त विभाग पाकिस्तान निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यकता पड़ने पर और धन का प्रावधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब निर्वाचन आयोग ने चुनाव कराने के लिए तत्काल आवश्यक राशि जारी करने में देरी पर चिंता जताई थी। निर्वाचन आयोग की चिंताओं का समाधान करते हुए कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने कहा था कि सरकार 8 फरवरी के आम चुनाव से पहले ईसीपी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करेगी। बता दें कि पिछले हफ्ते, निर्वाचन आयोग ने आगामी आम चुनावों में देरी के बारे में मीडिया की खबरों को 'निराधार और भ्रामक' करार देते हुए खारिज कर दिया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चुनाव में देश को 47 अरब रुपये खर्च होंगे। चुनाव कराने के लिए तत्काल आवश्यक धन की देरी पर चिंता के बाद, पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने पोल वॉचडॉग को एक या दो दिन में 17 अरब रुपये जारी करने का आश्वासन दिया है। वित्त सचिव इम्दादुल्ला बोसाल को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए ईसीपी में बुलाए जाने के बाद मंगलवार को पैसा वितरित किया गया। कहा जा रहा है कि मौजूदा वित्तीय संकट के बीच वित्त मंत्रालय के पास धन की कमी है।

शादी के अगले दिन पैडलबोर्डिंग के दौरान महिला को शार्क ने किया घायल, मौत

बोस्टन । एक महिला को शादी के अगले ही दिन पैडलबोर्डिंग करना महंगा पड़ गया। दरअसल उसे शार्क ने घायल कर दिया और उसकी मौत हो गई। शादी के अगले दिन घूमने के दौरान यह घटना अमेरिका की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बहामास में पैडलबोर्डिंग करते समय बोस्टन की एक नवविवाहिता को शार्क ने मार डाला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना रविवार, 3 दिसंबर को महिला की शादी के ठीक एक दिन बाद हुई। जब शार्क ने न्यू प्रोविडेंस द्वीप के पश्चिमी छोर से एक मील से भी कम दूरी पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक पीड़िता अपने एक रिश्तेदार के साथ पानी में थी, जिसे कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि महिला पर शार्क ने किस तरह से हमला किया यह स्पष्ट नहीं है। यह घातक हमला केबल बीच पर सैंडल्स रिसॉर्ट के पास हुआ। इस संबंध में रॉयल बहामास पुलिस फोर्स ने एक बयान में कहा कि सुबह 11.15 बजे के तुरंत बाद, पुलिस को सूचित किया गया कि बोस्टन मैसाचुसेट्स अमेरिका से आई एक महिला पर्यटक पर शार्क ने हमला कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 'महिला एक पुरुष रिश्तेदार के साथ पश्चिमी प्रोविडेंस में एक रिसॉर्ट के पीछे, तटरेखा से लगभग 3 से 4 मील दूर पैडलबोर्डिंग कर रही थी, जब उस पर शार्क ने हमला किया। घटना के बाद महिला और उसके रिश्तेदार, जो शार्क के हमले के समय पैडलबोर्डिंग कर रहे थे, को एक नाव में एक लाइफगार्ड द्वारा बचाया गया। हालांकि महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उसके शरीर के दाहिने हिस्से में गहरी चोटें आई थीं।

जिंदा नास्त्रेदमस ने की डराने वाली भविष्यवाणी

ब्राजील। ब्राजील में रहने वाले एथोस सैलोमे अपनी भविष्यवाणियों को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्हे जीवित नास्त्रेदमस भी कहा जाता है। उसके किए कई दावे सच भी हुए हैं। इसमें पिछले साल महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत से लेकर एलन मस्क के ट्विटर को एक्स करना शामिल है। एथोस का कहना है कि दुनिया की कुछ प्रमुख घटनाएं ऐसी हैं, जिन्हें वो अपनी क्षमताओं से भी प्रभावित नहीं कर सकते। भविष्य देखने का दावा करने वाले एक शख्स ने लोगों को चेतावनी दी है। उसने बताया है कि 2024 में आखिर ऐसा क्या होगा, जिससे लोगों को खतरा है। इस शख्स का नाम एथोस सैलोमे है। सैलोमे ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सीसीटीवी की पावर को और बढ़ा रहा है। चीन और अमेरिका में बन रहीं फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी एक ऐसा युग लेकर आएंगी, जिसमें प्राइवेसी (गोपनीयता) नहीं होगी।

दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP28 के दौरान जलवायु कार्यकर्ताओं ने जीवाश्म ईंधन उत्सर्जकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई और हानि और क्षति कोष में अधिक योगदान की मांग की।

बाइडेन ने कहा- ट्रंप को हराने के लिए लड़ रहा हूं, नहीं तो सब खत्म हो जाएगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन लोगों को चेता रहे है,कह रहे हैं कि ट्रंप को हराना बहुत जरुरी है,इसलिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। नहीं तो सब खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रम्प 2024 के चुनाव में उम्मीदार नहीं होते तो वो भी शायद चुनाव नहीं लड़ते लेकिन, अब यह जरूरी हो गया है और वे एक बार फिर राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल होंगे। ट्रंप की उम्मीदवारी को देश के लिए खतरा बताते हुए बाइडेन ने कहा अमेरिकी लोकतंत्र 2024 में अधिक खतरे में है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति और उनके सहयोगी लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। इसी साल अप्रैल महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह घोषणा करके सभी को चौंका दिया था कि वे 2024 के

चुनाव में भी उतरेंगे। उनके साथ ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी 2024 के लिए वाइस प्रेजिडेंड के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया था। बाइडेन ने चुनावी अभियान में लोगों से अपील की हमे यह करना ही होगा,सिर्फ मेरे लिए नहीं। बल्कि उसे (ट्रंप) को जीतने से रोकने के लिए। बाइडेन ने कहा कि अगर ट्रंप चुनाव लड़ने के लिए नहीं उतरते तो वो भी इस बार चुनाव में हिस्सा नहीं लेते लेकिन, अब यह जरूरी हो गया है क्योंकि ट्रंप और उनके सहयोगी अमेरिकी लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। बाइडेन का ट्रंप पर यह आरोप तब सामने आया है जब हाल ही में उन पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान लोगों को भड़काने और नतीजों को पलटने की कोशिश के आरोप लगे थे। बाइडन ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि ट्रंप का आना लोकतंत्र के लिए खतरा है। बाइडेन ने कहा कि ट्रम्प अमेरिकी इतिहास में परिणामों को स्वीकार नहीं करने वाले एकमात्र हारने वाले उम्मीदवार हैं।

हमास के खतरनाक इरादों का हुआ खुलासा, आईडीएफ चला रही सर्च ऑपरेशन

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच बीते दो माह से युद्ध चल रहा है। इसमें दोनों तरफ से सैकड़ो लोगों की मौत हुई है। हमास के आतंकियों के ठिकाने भी खत्म कर दिए गए है। इन ठिकानों की इजरायल सेना तलाशी ले रही है। जहां से ऐसी कई तरह की सामग्री मिली है जो उनके खतरनाक इरादों को उजागर करती हैं। हमास के ठिकानों से मिलने वाली डिजिटल डिवाइस और डॉक्यूमेंट्स से पता चला है कि वे आतंकी हमला का प्लान लंबे समय से बना रहे थे। मारे गए आतंकियों के पास से बरामद मोबाइल फोन, कंप्यूटर, डीपीएस डिवाइस, कैमरा और नोटबुक से पूरा प्लान सामने आ गया है। किबुज में किए गए हमले की साजिश सालों से चल रही थी। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक हमास के आतंकियों का प्लान हैरान करने वाला है। कम्प्यूटरों से डीटेल प्लान के बारे में पता चला है। एक लड़ाके के शव के पास से सैटलाइट तस्वीरें मिली हैं जिनमें उन जगहों के बारे में भी बताया गया था जहां हमला किया जाना था। आतंकियों को लोगों को मारने और बंधक बनाने की पूरी ट्रेनिंग दी गई थी। आतंकी के पास से नोट में यह भी लिखा था कि जो भी बंधक दिक्कत करे उसे तुरंत मार देना है। वहीं इजरायली सेना को पता चला है कि पूरी गाजा पट्टी में सुरंगों का जाल है। यहां पर अनगिनत बंधकों को रखा जा सकता है।

आईडीएफ के सदर्न कमांड के जनरल ने का कि गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू होने के बाद सबसे तेज हमला किया गया है। उन्होंने कहा, हम अब जबालिया, शेजाइया और खान युनिस के अंदर दाखिल हो चुके हैं। इजरायली सेना का कहना है कि पूरी गाजा पट्टी में हमास के आतंकियों ने ठिकाने बना रखे हैं। ऐसे में उत्तरी हिस्से के बाद सेना दक्षिणी हिस्से की तरफ कूच करेगी। इजरायली सेना का कहना है कि खान युनिस में हमास के आतंकियों के खिलाफ तगड़ी कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि खान युनिस गाजा सिटी का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यूएन ने भी कहा है कि गाजा में अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं बची है। अभी गाजा के हालात और भी खराब होने वाले हैं। बच्चों की मौत हो रही है। खान युनिस में शव धूल से पटे पड़े हैं। रेड क्रॉस की प्रेसिडेंट मिरजाना स्पोलजैरिक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा भयावह यह लगा कि ज्यादातर बच्चे इन हमलों में घायल हो रहे हैं। वहीं उनके माता-पिता की मौत हो जाती है और उन बेचारे असहाय बच्चों की देखभाल करने वाला भी कोई नहीं रहता। यूएन के आंकड़ों के मुताबिक गाजा की एक तीन चौथाई आबादी विस्थापित हो चुकी है।

चीन ने तालिबान सरकार को दी मान्यता, पाकिस्तान को लगा झटका

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार को मान्यता दे दी है, जिससे पाकिस्तान को टेंशन हो रही है। चीनी विदेश मंत्रालय के स्पोक्समैन वांग वेनबिन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में यह घोषणा की है कि वे अफगान सरकार को मान्यता देते हुए उसे अपने यहां राजनयिक रखने की मान्यता भी देते है। इससे पहले अभी तक किसी भी देश ने तालिबान सरकार को आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी थी। चीन के इस कदम से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार, यह एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है और इससे पाकिस्तान को भी चुनौती हो सकती है। बता दें कि पाकिस्तान ने हाल ही में तालिबान सरकार के कामकाज से आपत्ति जताई और तालिबान के साथ बड़े परिसंबंधों की मजबूती का समर्थन किया था। चीन की यह क्रमबद्धता इसे एक ऐतिहासिक संबंध बना देती है, खासकर जब इस समय पाकिस्तान के साथ चीन के संबंध तेजी से बढ़ रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि चीन का मानना है कि अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। चीन उम्मीद करता है कि अफगानिस्तान एक खुली और समावेशी राजनीतिक संरचना बनाएगा और सभी प्रकार की आतंकवादी ताकतों का दृढ़ता से मुकाबला करेगा।

गौरतलब है कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिकों ने वहां से वापसी कर ली थी जिसके बाद तालिबान ने हमला कर अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया था। बता दें कि जब तालिबान सरकार के खिलाफ आलोचना हो रही है तो चीन की इस हालत को विशेषज्ञों ने एक राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना है और इसे एक बड़े बदलाव की ओर कदम बढ़ाने के रूप में देखा है। उस समय महिलाओं और लड़कियों के साथ गलत व्यवहार पर तालिबानी प्रशासन की वैश्विक रूप से काफी आलोचना थी। अफगानिस्तान में महिलाओं को शैक्षणिक संस्थानों से भी हटा दिया गया था। लेकिन उस वक्त भी बीजिंग ने तालिबान के अंतरिम प्रशासन के साथ संपर्क बनाए रखा था। हालांकि, उस समय उनकी आधिकारिक मान्यता को रोका गया था।

महिलाओं के आगे गिड़गिड़ाने को क्यों मजबूर है उत्तर कोरिया का तानाशाह

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग कब किसे मौत की सजा दे दे, कोई नहीं जानता। उसके आदेश पर ही हंसना और रोना पड़ता है। वो.. न किसी की सुनता है और न किसी को सुझाव देने की अनुमति देता है। बस, यूं ही चलता है उत्तर कोरिया। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि तानाशाह किम जोंग अपने ही देश की महिलाओं के आगे गिड़गिड़ाने को मजबूर हो रहा है। बार बार देश के लिए उनसे रहम की भीख मांग रहा है। वो भी सार्वजनिक तौर पर कहता है कि महिलाएं ही उत्तर कोरिया को बचा सकतीं हैं। उत्तर कोरिया की जन्मदर में पिछ्ले 10 वर्षों से लगातार गिरावट हुई है। देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। हालांकि उत्तर कोरिया की जनसंख्या के रुझान के बारे में जानकारी मिलना मुश्किल है। उत्तर कोरिया में 2023 तक एक महिला से जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या 1.8 थी। यह प्रजनन दर उत्तर कोरिया के कुछ पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक जरूर है लेकिन सरकार इस आंकड़े को लेकर चिंतित है। उत्तर कोरिया के पड़ोसी देश पहले से ही ऐसी ही गिरावट से जूझ रहे हैं।उत्तर कोरिया की एक स्वास्थ्य संबंधी वेबसाइट के प्रमुख अहं क्यूंग-सु के मुताबिक, 'उत्तर कोरिया के कई परिवार एक से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करना चाहते क्योंकि उन्हें लगता है कि बच्चों के भरण पोषण, स्कूल इत्यादि में बहुत ज्यादा पैसे खर्च होंगे।' उत्तर कोरियाई मीडिया के मुताबिक, देश में तीन या उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकार मुफ्त अनाज, सब्सिडी, फ्री इलाज इत्यादि विशेष लाभ प्रदान कर रही है, फिर भी लोग अधिक बच्चा पैदा करने से बच रहे हैं। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने हाल ही में देशभर की महिलाओं को बुलाकर अपनी समस्या साझा की है। उन्होंने देश में जन्म दर बढ़ाने की अपील करते हुए सरकार के प्रयासों में महिलाओं का समर्थन भी मांगा। उन्होंने महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को इस गिरावट को रोकने का प्रयास करना चाहिए।

पन्नू की हत्या की साजिश संबंधी जांच को लेकर उत्सुक अमरीका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर अमेरिका ने कहा है कि वह एक सिख अलगाववादी नेता की षड़यंत्रपूर्वक हुई हत्या संबंधी भारत की जांच के नतीजे देखने को उत्सुक है। मंगलवार को अपनी न्यूज ब्रीफिंग में मिलर ने कहा, हमने इस सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर पर संदेश दिया है - विदेश मंत्री ने सीधे अपने विदेशी समकक्ष भारत के विदेश मंत्री के समक्ष इसे उठाया है कि हम इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कि वे एक जांच करेंगे। राजनयिक स्तर पर मामले के घटनाक्रम पर एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से जांच की घोषणा की है और अब हम जांच के नतीजे देखने का इंतजार करेंगे। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन मामले पर टिप्पणी करना अनुचित होगा क्योंकि न्याय विभाग अदालत में मामला पेश कर रहा है।

मिलर ने मीडिया से कहा, हम उस (भारत की) जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं और मैं जांच

पूरी होने से पहले जाहिर तौर पर कोई आकलन नहीं करने जा रहा हूं। यह टिप्पणी व्हाइट हाउस के उस बयान के एक सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि वह इन आरोपों को बहुत गंभीरता से लेता है कि एक भारतीय उसकी धरती पर खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की नाकाम कोशिश में शामिल था। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने पिछले महीने भारतीय खुफिया अधिकारी निखिल गुप्ता पर न्यूयॉर्क में पन्नू को कथित तौर पर मारने के लिए भारत से एक साजिश की योजना बनाने और निर्देशित करने का आरोप लगाया था।

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह चिंता का विषय है और भारत सरकार की नीति के विपरीत है। भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया और कहा कि वह समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगी। खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले पर कनाडाई सरकार के साथ भारत के असहयोग के बारे में पूछे जाने पर मिलर ने कहा कि उन्होंने मंगलवार की ब्रीफिंग में नई दिल्ली से ओटावा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि कनाडा ने सितंबर में दावा किया था कि निज्जर की इस साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में भारतीय एजेंटों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडा के आरोपों का जवाब देते हुए भारत ने हाल ही में कहा, जहां तक कनाडा का सवाल है, उन्होंने लगातार भारत विरोधी चरमपंथियों और हिंसा को जगह दी है।

पाकिस्तान की जनता को नहीं मिल रही दो जून की रोटी, महंगाई ने तोड़ी जनता की कमर

गाजा (एजेंसी)। इस्लामाबाद(ईएमएस)। इन दिनों पाकिस्तान बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। यहां आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। खाने का सामान इतना महंगा है कि लोग खरीद नहीं पा रहे हैं। बीते कुछ समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता भी इस संकट को आर ज्यादा बढ़ा रही है। आम खाने-पीने की चीजों, आटा, दाल, चीनी से लेकर चावल तक की कीमतों में हाल के महीने में बेतहाशा बढोतरी देखी गई है। जिससे कम आय वाले परिवारों के लिए परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। एक तरफ कीमतें बढ़ रही हैं तो दूसरी ओर कई कंपनियों और फैक्ट्रियों ने भी छंटनी की है। जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है और इससे हालात और ज्यादा पेचीदा हो रहे हैं।

पाकिस्तान के बिगड़ते आर्थिक हालात पर एक रिपोर्ट की है। इसमें उन्होंने लाहौर के एक दिहाड़ी मजदूर आसिफ मसीह के बारे में बताया है, जिसके सामने बीवी और पांच बच्चों को पालने की चुनौती है। 45 साल का आसिफ उन 7,00,000 श्रमिकों में से एक है, जो पाकिस्तान में हाल के सालों में बंद हुए 1,600 कपड़ा कारखानों में से एक में काम करता था। कारखाना बंद होने के बाद उसके पास काम नहीं है। कपड़े बनाने वाली एक फैक्ट्री में इस साल की शुरुआत में नौकरी से निकाले जाने के बाद आसिफ मसीह कभी ऑटोरिक्शा चलाकर तो कभी दिहाड़ी पर कोई काम कर अपने बच्चों के लिए खाना जुटा रहे हैं।

आसिफ लाहौर के योहानाबाद के औद्योगिक क्षेत्र में एक छोटे कमरे में रहते हैं। उनकी पत्नी शमीम आसिफ ने बताया कि जीवनयापन की बढ़ती लागत का उनके परिवार पर बहुत असर हुआ है। आसिफ की तीन बेटियों और दो बेटे हैं, जिनमें से कोई भी स्कूल नहीं जाता है। आसिफ का कहना है कि पहले हम 500 पाकिस्तानी रुपए में अपने घर का खर्च चला लेते थे लेकिन फिलहाल मंहगाई के चलते हालात ये हैं कि सात आदमियों के हमारे परिवार को भोजन पकाने के लिए ही हर दिन करीब 1,500 रुपए चाहिए। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजने की तो हम कैसे सोच सकते हैं। आसिफ मसीह पाकिस्तान के मौजूदा आर्थिक संकट से प्रभावित उन लाखों लोगों के हालात का आईना हैं, जो हर रोज दो वक्त की रोटी जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से हाल ही में एक और राहत पैकेज पाकिस्तान को मिला है। 1958 के बाद से 23वां राहत पैकेज है। इसके बावजूद देश के हालात संभलते नहीं दिख रहे हैं। मंहगाई सिर्फ खाद्य तक सीमित नहीं है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से उद्योगपतियों को भी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। अर्थशास्त्री और पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल का कहना है कि बीते कुछ समय में आटा, मांस और चावल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमत कई बार दोगुनी से भी अधिक हो गई है। ये गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए विनाशकारी स्थिति है।

महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा

मुंबई। महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार के आंकड़े नागरिकों की चिंता बढ़ा रहे हैं. दरअसल राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट से पता चला है कि देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार महाराष्ट्र में है।2022 में महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा। राज्य में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कई उपाय और कानून लागू किये गये हैं।भ्रष्टाचार निरोधक कानून इसी उद्देश्य से बनाया गया है। 2021 में 773 और 2020 में 664 भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं. भ्रष्टाचार के मामले महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज किए जाते हैं। भ्रष्टाचार के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आए।ब्यूरो ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक ऐप और एक हेल्पलाइन नंबर (1064) भी जारी किया है।इसके अलावा लोग भ्रष्टाचार की शिकायत ऑनलाइन और ऑफलाइन भी कर सकते हैं। इस संबंध में एनसीआरबी ने एक डेटा जारी किया है. 2022 में दो व्यक्तियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया जबकि छह व्यक्तियों को कारावास और अन्य दंड की सजा सुनाई गई।इस संबंध में मुख्य सचिव को विभागाध्यक्षों के साथ इन सभी मामलों की समीक्षा करना आवश्यक है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष जजों को हर महीने कम से कम 5 मामले निपटाने होंगे. लेकिन इसका पालन नहीं किया जाता. सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और एसीबी प्रमुख प्रवीण दीक्षित ने कहा कि अदालत में लंबित शिकायतों पर ध्यान नहीं दिए जाने से अन्य शिकायतकर्ता निराश हैं. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है. यह देखना दिलचस्प है कि आने वाले समय में इसमें कोई सकारात्मक बदलाव होता है या नहीं.

महाराष्ट्र में आवारा कुत्तों का आतंक, चार साल में 2.5 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा, 100 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में चार साल दस माह की अवधि में आवारा कुत्तों के हमले और काटने से 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2019 से 30 अक्टूबर 2023 के बीच राज्य में 25 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा है. हालाँकि आवारा कुत्तों की नसबंदी करने और उनके प्रजनन को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन यह जानकारी बताती है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का उपद्रव बढ़ रहा है।2019 में राज्य में 6 लाख 29 हजार 858 लोगों को कुत्तों ने काटा.इस साल आठ लोगों की जान चली गयी. 2020, 2021 में ये संख्या घटती दिख रही है. लेकिन 2022 में कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 29 हो गई. 2023 में कुत्तों के काटने के मामलों में फिर तेजी से बढ़ोतरी हुई है और यह संख्या पांच लाख 96 हजार 472 दर्ज की गई है.

पुरुष मृत्यु दर अधिक- कुत्तों के काटने से महिलाओं की तुलना में पुरुषों की मौतें अधिक होती हैं।इस साल के पहले दस महीनों में राज्य में कुत्तों के काटने से 19 लोगों की मौत हो चुकी है. इसमें 15 पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं।इसमें महिलाओं की उम्र 72 से 82 साल के बीच है. कुत्तों के काटने से चार से अठारह साल की सात लड़कियों की मौत हो चुकी है।2022 में कुत्तों के काटने से 29 मौतें हुईं, जिनमें से 20 पुरुष और 9 महिलाएं थीं।2021 में यह संख्या 19, 2020 में 23 और 2019 में दस लोगों की जान जा चुकी है. 2019, 2020 और 2021 में क्रमशः 14, 19 और आठ पुरुषों ने कुत्तों के काटने से अपनी जान गंवाई है। इसकी तुलना में महिलाओं की संख्या कम है.

सक्षम प्रणाली का अभाव - स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, मुंबई-पुणे जैसे शहरों को छोड़कर बाकी जगहों पर आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए अभी भी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है. कुत्तों को पकड़ने से लेकर उनके नसबंदी तक की प्रक्रिया में जनशक्ति की उपलब्धता आवश्यक है।आवारा कुत्तों की समस्या केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं है, राज्य भर में लोगों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट बंद

नई दिल्ली ।संगठित अवैध निवेश और कार्य-आधारित अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद बंद किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे।केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक इकाई 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (14सी) ने अपनी 'राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषण इकाई' (एनसीटीएयू) के जरिए पिछले साल संगठित निवेश और कार्य आधारित अंशकालिक नौकरी (टास्क बेस्ड पार्ट टाइम जॉब) के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट की पहचान की थी और उन्हें बंद किए जाने की सिफारिश की थी।आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल कर इन वेबसाइट्स को बंद कर दिया है।ऐसी जानकारी मिली है कि आर्थिक अपराध से संबंधित कार्य आधारित संगठित अवैध निवेश से जुड़ी इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और ये डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और फर्जी खातों का इस्तेमाल कर रहे थे।बयान में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर आर्थिक धोखाधड़ी से मिली रकम का कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी, विदेशी एटीएम निकासी और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों के जरिए भारत से बाहर धन शोधन किया जा रहा था।

पन्नू ने फिर दी गीधड़ धमकी कहा- 13 दिसंबर को उड़ा देंगे संसद

नई दिल्ली।खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता है। कभी एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी देता है तो कभी किसी बहाने धमकाने की कोशिश करता है।एक बार फिर उसने गीधड़ धमकी दी है।वीडियो जारी करते हुए पन्नू ने कहा है कि उसे मारने की कथित साजिश विफल होने के बाद 13 दिसंबर या उससे पहले भारत के संसद पर वह हमला करेगा।आपको बता दें कि 13 दिसंबर के ही दिन 2001 में संसद पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था।वीडियो में 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु का पोस्टर और दिल्ली बनेगा खालिस्तान शीर्षक दिया गया है।पन्नू ने कहा कि भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे मारने की साजिश विफल हो गई है।

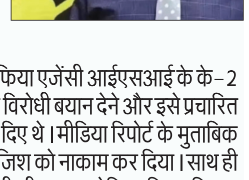

वह 13 दिसंबर या उससे पहले संसद पर हमला करके इसका जवाब देगा।आपको बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र के बीच यह वीडियो सामने आया है।सोमवार से शुरू हुआ यह सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा। पन्नू का धमकी भरा वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के के-2 (कश्मीर-खालिस्तान) डेस्क ने पन्नू को भारत विरोधी बयान देने और इसे प्रचारित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नू को मारने की साजिश को नाकाम कर दिया।साथ ही उन्होंने भारत सरकार को चेतावनी भी जारी की थी।पन्नू अमेरिका स्थित सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख है। यह संगठन भारत में प्रतिबंधित है। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने आदालत में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का भी आरोप लगाया।चेक गणराज्य के अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। भारत ने अमेरिका द्वारा भारतीय अधिकारी को पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति से जोड़ने को चिंता का विषय बताया था। भारत ने कहा था कि आरोपों की जांच करने वाले पैनल के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

13 करोड़ का सोना, डेढ़ करोड़ रुपये कैश लेकर भागा सराफा कारीगर

कानपुर। यूपी के कानपुर महानगर के बजरिया थानाक्षेत्र में बेकनगंज सराफा मार्केट से सराफा कारीगर संपत राव लवेटे 15 से 20 किलो सोना और 1.5 करोड़ कैश लेकर फरार हुआ है। उसके घर और दुकान पर ताला बंद है। बेकनगंज सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी और कारोबारियों ने संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय (जेसीपी) नीलाब्जा चौधरी से मिलकर मामले से अवगत कराया। इस मामले की जांच के लिए जेसीपी ने डीसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। सराफा कारोबारी मो अय्युब ने तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।20 किलो सोना की कीमत आज के रेट के अनुसार करीब करीब 13 करोड़ रुपये है।

लोस चुनाव 2024 : 17 दिसंबर को 'इंडिया गठबंधन की बैठक में तैयार की जाएगी रणनीति: लालू

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए विपक्षी 'इंडिया गठबंधन के नेता 17 दिसंबर को बैठक करेंगे। वे छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बैठक के 'रद्द होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब का जबाव दे रहे थे। कांग्रेस के सहयोगी और नेहरू-गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले लालू प्रसाद ने बक्सर जिले में मीडिया को बताया कि बैठक अब 17 दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित की गई है।

अटकलें लगाई जा रही थीं कि लालू प्रसाद के सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को बैठक में शामिल होने के लिए अनिच्छुक थे। हाल ही में एक जनसभा में नीतीश कुमार ने हाल में संपन्न राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में 'इंडिया गठबंधन की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला था। इन राज्यों के चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद, कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के कई नेताओं ने कहा था कि कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों को साथ नहीं लेकर अपने दम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ने की कोशिश करके गलती की है।

इसके अलावा, 'इंडिया गठबंधन की एक अन्य प्रमुख नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने व्यस्तता के चलते छह दिसंबर को दिल्ली आने में असमर्थता जताई। इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर घोषणा करते हुए कहा कि ''छह दिसंबर, 2023 को शाम छह बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर 'इंडिया गठबंधन के संसदीय दल के नेताओं की एक समन्वय बैठक होगी।'इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के शीर्ष नेताओं की बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सभी के लिए सुविधाजनक तारीख पर की जाएगी। जब लालू प्रसाद से कांग्रेस की मौजूदा चुनावी पराजय के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि पार्टी कमजोर हो गई है लेकिन मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इसके नेतृत्व पर काम करने की आवश्यकता है।

भगवान रामलला की बालरुप मूर्ति एक माह में हो जाएगी तैयार : राय

अयोध्या ।उत्तरप्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी दौर पर है।22 जनवरी 2024 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त भी आ चुका है।इस पर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम के 5 वर्षीय बाल रूप की पत्थर की खड़ी प्रतिमा 4 फीट 3 इंज का निर्माण अयोध्या के 3 तीन स्थानों पर हो रहा है।तीन कारीगर इस मूर्ति को तीन अलग-अलग पत्थरों में बना रहे हैं।उन्होंने बताया कि ये प्रतिमायां करीब 90 प्रतिशत तैयार हैं, एक सप्ताह का फिनिशिंग का काम बाकी है। मूर्ति को भूतल पर गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग तैयार हो चुका है इसलिए प्राणप्रतिष्ठा में कोई समस्या नहीं होगी...प्राणप्रतिष्ठा समारोह में कम से कम 4000 संतों को आमंत्रित किया जा रहा है। सूची तैयार है...और कोशिश की जा रही है कि 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि भी जरूर आएं।राय ने कहा कि रामलला की पूजा के लिए चयनित आचार्यों का प्रशिक्षण शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण रंगवाटिका में शुरू हुआ है।मंगलवार को प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 24 वेदपाठी आचार्य बुधवार को यहां पहुंचे।ये सभी रंगवाटिका में ही निवास करने वाले हैं।इन आचार्यों को प्रशिक्षण अयोध्या के आचार्यों के साथ विशेषज्ञ देने वाले हैं। इन्हें रामलला के पूजापाठ, रागभोग सहित सभी आयामों में प्रवीण बनाया जाएगा। यह जानकारी तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े गोपालजी ने दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षु पहुंच गए हैं। बता दें कि श्रीराम की भव्य मूर्ति बनाने के लिए देश के अलग- अलग कोनों से शिलाएं लाई गई हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी चरण में है।

चक्रवाती तूफान ने मचाया कोहराम, चेन्नई में बिजली गुल, इंटरनेट भी ठप

चेन्नई (एजेंसी)। इस समय चेन्नई में रहने वाले हजारों लोगों को चक्रवाती तूफान मिगजॉम के कहर का सामना करना पड़ रहा है। शहर के बाढ़ वाले इलाके में जहां बिजली गुल है, वहीं इंटनेट ने भी काम करना बंद कर दिया है। लोग एक दूसरे से संपर्क भी नहीं कर पा रहे हैं। बता देंकि मंगलवार शाम को चक्रवाती तूफान मिगजॉम ने चेन्नई से 375 किलोमीटर दूर आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में दस्तक दी। मंगलवार को पूरे शहर में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल जैसी प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की सेवाएं प्रभावित दिखीं क्योंकि दूरसंचार टावर वाले स्थलों पर डीजल पहुंचाने में कठिनाई हो रही है और बैटरी की समस्या भी दिख रही है। उद्योग से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि सेवाएं बहाल करने का काम तेजी से चल रहा है। राज्य सरकार ने एहतियात बरतते हुए विशेषतौर पर निचले इलाकों में बिजली बंद कर दी थी। अधिकांश क्षेत्रों में डीजल जेनरेटर सेट, बैकअप के रूप में चल रहे थे लेकिन अब वे भी नहीं चल रहे हैं। इसके अलावा चेन्नई में अधिकांश साइटों को टावर कंपनियों के परिचालकों ने ले लिया है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि इस तरह के संकट वाले दौर में भी इंटरनेट की बहाली व संपर्क को सुचारु रूप से जारी रखने की कोशिश में जुटे हैं।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा कि मिगजॉम चक्रवात के आने से बिजली गुल होने और नेटवर्क साइटों तक सीमित पहुंच के चलते आंशिक रूप से हमारी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अत्यधिक बाढ़ के चलते बनी चुनौतियों के बावजूद, हमारी जमीनी टीमें स्थानीय अधिकारियों के साथ दिन-रात काम कर रही हैं। वॉयस और डेटा सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जानी चाहिए। निजी क्षेत्र के तीन दूरसंचार परिचालकों के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि बुधवार शाम तक जब चक्रवात उत्तर की ओर बढ़ेगा और बाढ़ का पानी कम होगा तब वे टावर साइट को फिर से शुरु कर देंगे। मंगलवार को शहर में बचाव कार्य काफी जोर-शोर से किया जा रहा था। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा कि हमने पिछली बारिश के आधार पर कार्ययोजना बनाई थी। अप्रत्याशित बारिश के बावजूद इस बार पहले की तुलना में कम नुकसान हुआ है।

नोटबंदी के बावजूद बढ़ा नकली मुद्रा का प्रचलन : एनसीआरबी

- पड़ौसी देशों पर लगाया अर्थव्यवस्था अस्थिर करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कालेधन और नकली मुद्रा पर ?नियंत्रण के ?लिए सात साल पूर्व हुई ? नोटबंदी के बावजूद नकली मुद्रा का ?सिल?सिला थमता नजर नहीं आ रहा है ।हाल में एनसीआरबी की जारी रिपोर्ट के अनुसार, नोटबंदी के बाद पहले साल में नकली नोटों के प्रचलन में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन बाद के वर्षों में इसमें फिर तेजी देखी गई। देश में पिछले साल 42,10,406 नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 382 करोड़ रुपये थी।पिछले साल अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 करोड़ रुपये के नकली नोट जब्त किये गये। राष्ट्रीय राजधानी में जब्त नकली नोटों में 2000 रुपये के 73,253 नोट; 1000 रुपये का एक नोट; 500 रुपये के 24,476 नोट; 200 रुपये के 3,160 नोट; 100 रुपये के 12,980 नोट; 50 रुपये के 5,706 नोट; 20 रुपये के 26 नोट; और 10 रुपये के 31 नोट शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतर-राज्यीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया था और 500 रुपये के 19 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के नकली नोट बरामद किये थे।

उल्लेखनीय है कि जाली मुद्रा भारतीय दंड संहिता के तहत एक दंडनीय अपराध है, और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, नकली भारतीय मुद्रा के उत्पादन, तस्करी या संचलन को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित करता है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी नकली नोटों की इस आमद का एक बड़ा स्रोत पश्चिमी पड़ोसी देश पाकिस्तान को बताते हैं। उनका तर्क है कि पाकिस्तान नकली मुद्रा लाकर भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के अपने दुर्भावनापूर्ण प्रयासों में लगा हुआ है। अधिकारियों ने कहा, पश्चिमी सीमा पर कड़े सुरक्षा उपायों के बावजूद, पाकिस्तान ने नकली धन की घुसपैठ के लिए वैकल्पिक मार्गों को अपनाया है और अब भारत के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे पड़ोसी देशों का इस्तेमाल कर रहा है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, नोटबंदी के बाद काठमांडू (नेपाल), बांग्लादेश और भारत में बड़ी मात्रा में जाली नोटों की बरामदगी की जांच से पता चला है कि पहले नकली नोटों की बड़ी खेप हवाई मार्ग से खाड़ी देशों के रास्ते पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश पहुंचाई जाती है। इसके बाद नेपाल और बांग्लादेश की खुली अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से भारत में नकली धन की तस्करी की जाती है।

इधर गठबंधन बिखरने की खबरें आ रहीं हैं उधर राहुल विदेश जा रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है। इस हार के बाद इंडिया गठबंधन में दरार आने की खबरें चलना शुरु हो गईं। रही सही कसर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कर दी। इन नेताओं से साफ कर दिया कि बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। इससे सियासी हवा और अधिक गरमा गई। माना जाने लगा कि इस गठबंधन में घमासान और बढ़ेगा। कई नेताओं ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देना भी शुरु कर दिया। इसी बीच खबर आई है कि राहुल गांधी अपनी छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलयेशिया और वियतनाम जाएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि राहुल की विदेश यात्रा सुनियोजित थी। ऐसे में उनके दौरे पर सवाल नहीं उठना चाहिए। हालांकि विपक्षी गठबंधन इंडिया से जुड़े सहयोगियों का मानना है कि ऐसे में जब पार्टी के साथ गठबंधन संकट में है, तब उन्हें परिपक्वता का परिचय देते हुए यह यात्रा टाल देनी चाहिए थी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक इंडोनेशिया सहित चार देशों की यात्रा पर जाएंगे। उनकी विदेश यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। यही नहीं, इसी हफ्ते विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, जिनमें पार्टी को हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके अलावा विपक्षी गठबंधन इंडिया में जारी अनबन के कारण पार्टी को बुधवार को होने वाली बैठक टालनी पड़ी है। इस अहम मौके पर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने इंडिया गठबंधन से कहा, देश को उत्तर और दक्षिण में नहीं बांटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी दलों से देश को उत्तर और दक्षिण भारत के आधार पर नहीं बांटने को कहा। उन्होंने पूछा कि क्या विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के घटक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद की हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ टिप्पणी का समर्थन करते हैं? केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड का विचार लेकर आए हैं, ताकि पूरे देश को सब्सिडी वाला खाद्यान्न प्राप्त करने की एकल पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से एकजुट किया जा सके।

उन्होंने विपक्ष पर हमले करते हुए कहा, ''हम यह नहीं पता करते कि कौन कहां से कहां 'माइग्रेट करता है। अब किसी को राशन कार्ड को जेब में लेकर घूमने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अब अंगूठा ही राशन कार्ड है। व्यक्ति देश में कहीं भी जाएगा वहां उस जगह राशन मिलेगा। कुछ विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा लोगों को एकजुट करने के लिए काम करते हैं। लेकिन विपक्ष देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। उनमें से कुछ ने उत्तर और दक्षिण भारत के बारे में भी बात की। कृपया देश को विभाजित करना बंद करें।

आपत्तियों पर सख्त रुख दिखाकर मंत्री ने पलटवार करते हुए पूछा, क्या आप कल इस सदन में दिए गए एक सदस्य के बयान का समर्थन करते हैं? क्या 'इंडिया गठबंधन के सदस्य उस सांसद के बयान का समर्थन करते हैं? हालांकि, गोयल ने विवादास्पद टिप्पणी करने वाले द्रमुक सदस्य डी एन वी सेंथिल कुमार का नाम नहीं लिया। गोयल ने कहा कि देश में 81.35 करोड़ लोगों को अब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''यह योजना कम आय वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के तहत पूरे भारत में लागू की गई है।

जब लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्रीय मंत्री गोयल की टिप्पणी पर आपत्ति जाहिर की तब मंत्री ने पूछा कि क्या उन्हें दर्द हो रहा है, क्योंकि देश के गरीबों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक के लोगों को 10 किलो मुफ्त खाद्यान्न देने का अपना वादा भी पूरा नहीं कर सकी और इसका केवल आधा हिस्सा (पांच किलो) दे रही है। गोयल ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की प्रणाली को मजबूत और सरल बनाया गया है।

पीएम मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर काम शुरु किया

झज्जर (एजेंसी)। हर भारतीय का सपना है, कि अपना भारत विकसित बने। पीएम मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर कार्य शुरू कर दिया है। तेजी से व्यवस्था परिवर्तन का काम हो रहा है। पहले की सरकारों में एक परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण होता था। भाजपा ने परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण वाली व्यवस्था बदल दी है और अब सिस्टम व संस्थान महत्वपूर्ण हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह मोदी जी की व्यवस्था परिवर्तन का परिणाम है, कि सरकारी अधिकारी गांव जाकर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। पहले लोग सरकारी कार्यालयों के चक्कर काट-काटकर थक जाते थे। राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि भारत सकल घरेलू उत्पाद में दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में अपना देश जल्द ही जापान व जर्मनी जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़कर सकल घरेलू उत्पाद में तीसरे पर पायदान पर होगा। भारत दवाई निर्माण व निर्यात में दुनिया का अग्रणी देश बना हुआ है, अमेरिका जैसे देश भारत की दवाइयों पर निर्भर है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति है कि देश की प्रगति का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पंहुचे। इसके लिए लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के लिए डीबीटी योजना यानि सीधे खातों में रूपए भेजना, उज्जवला योजना के तहत हर पात्र के घर रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाने, आयुष्मान चिरायु योजना के तहत प्रति व्यक्ति पांच लाख रूपये तक निशुल्क ईलाज की सुविधा, हर घर नल से जल सहित ढांचागत विकास और मूलभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार हुआ है।

ज्यादा से ज्यादा युवाओं को माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना चाहिए। इस पोर्टल के माध्यम से मेरा भारत संगठन युवाओं को ऐसा अवसर देगा, जिसमें वह अपनी कौशल क्षमताओं को निखारने और उसका उपयोग करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी जी पहल पर सरकार योजनाओं का लाभ लेकर आपके दरवाजे पर आ रही है। यह कार्यक्रम देशभर में शुरू किया गया है। मोदी-मनोहर सरकार की योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जा रहा है। धनखड़ ने कार्यक्रम में 11 पात्र महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस के कनेक्शन सौंपे, नमो ड्रोन दीदी की प्रक्रिया का अवलोकन किया, विभिन्न लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। काफी संख्या में ग्रामीणों ने हेल्थ चेकअप कराया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झुग्गियां खाली कराने के लिए नोटों के बंडल देने का वीडियो वायरल,नेता पैसे देते दिखे

वॉट्सऐप ग्रुप में शेयर किया गया वीडियो से नेताओं की पॉल खुली

झुग्गीवासियों को पैसे देने का वीडियो वायरल, वीडियो में नेता रुपये देते नजर आए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले कुछ दिनों से वेड रोड इलाके में जिलानी ब्रिज के पास नासिर नगर झुग्गी बस्ती को लेकर विवाद चल रहा है। झुग्गी हटाओ अभियान में बिल्डर की मिलीभगत से कुछ लोगों के सक्रिय होने की बात सामने आयी थी। इस बीच रुपये लेने के एक वीडियो ने राजनीतिक तौर पर भी हलचल मचा दी है। झुग्गीवासियों को ही पैसा देने की चर्चा जोर-शोर से शुरू हो गई है। इस वीडियो को अपलोड करने वाले शख्स ने पैसे देने का सबूत रखने के लिए इसे अपलोड किया है। यह वीडियो गलती से एक व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर हो गया और पूरी पोल खुल गई।

यह बात सामने आ रही है कि नासिर नगर कॉलोनी में रहने वाले लोगों को झोपड़ियां खाली करने के लिए प्रलोभन दिया जा रहा है। जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें अयूब पटेल वर्तमान में कांग्रेस के शहर महामंत्री पद पर हैं। वीडियो में वे महिलाओं को एक के बाद एक ८० हजार रुपये कैश देते नजर आ रहे हैं। एक के बाद एक महिलाओं को बुलाकर रुपयों की गड्डी देने का वीडियो सामने आया है। उनके ठीक पीछे जाकिर शाह नाम का एक शख्स है जो भारतीय जनता पार्टी में संगठन में सक्रिय हैं और पूर्व में अल्पसंख्यक मोर्चा के पद पर भी रह चुके हैं।

मालूम हो कि बिल्डर की ओर से सभी प्रभावित लोगों को रुपये देकर नासिर नगर की झुग्गियां खाली करायी जा रही हैं. बताया जा रहा है कि बीजेपी और कांग्रेस के इन पदाधिकारियों ने अपने-अपने धर्म के लोगों को बहला-फुसलाकर या डरा-धमका कर पैसे लेने के लिए राजी किया था। भाजपा और कांग्रेस संगठन के पदों पर बैठे इन नेताओं को रुपयों की गड्डियां देने को लेकर शहर भर के राजनीतिक हलके में गर्माहट मची हुई है। नासिर नगर कॉलोनी में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग रहते हैं। उस समय अपने ही समाज के लोग दलाली करने निकले हैं, इसका आरोप भी एक-दूसरे पर लगाया जा रहा है।

सूरत शहर कांग्रेस के अध्यक्ष हसमुख देसाई ने कहा कि जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें सूरत शहर कांग्रेस के महासचिव अयूब पटेल नजर आ रहे हैं। अब वे अपने बिजनेस से जुड़े काम के चलते पैसे दे रहे हैं या किसी अन्य कारण से, यह उनका निजी मामला है, लेकिन जब तक मुझे शिकायत नहीं मिलेगी मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। अगर कोई व्यक्ति बिजनेस कर रहा है और किसी को पैसे दे रहा है तो हम सीधे तौर पर उस पर कोई आरोप नहीं लगा सकते, लेकिन सिर्फ वीडियो देखकर मेरे लिए कोई बयान देना ठीक नहीं है।

पीड़ितों को पैसे देने के लिए बिचौलियों को पैसे देने वाले शख्स ने सबूत के तौर पर ये वीडियो खुद लिया। पैसे देते हुए वीडियो में रिकॉर्ड किया जा रहा है। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन लोगों को रुपये का भुगतान किया गया है। हालाँकि, समस्या तब उत्पन्न हुई जब वीडियो अपलोड करने वाले व्यक्ति ने गलती से इसे एक समूह में साझा कर दिया। इससे पहले कि उस शख्स को पता चले ये वीडियो मोबाइल के जरिए कई लोगों तक पहुंच चुका था। देखते ही देखते यह वीडियो शहर भर के लोगों तक पहुंच गया।

चौटा बाजार में शून्य दबाव मार्ग के संचालन के लिए नगर निगम का प्रदर्शन

दबाव कम होने के आधे घंटे के भीतर दबाव बहाल हो गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नगर निगम ने कुछ दबाव कम किया लेकिन आधे घंटे बाद दबाव पहले से ज्यादा हो गया

सूरत के पाल आरटीओ-सूरत डुमस रोड सहित कई शून्य दबाव मार्गों पर से दबाव हटाओ अभियान चौटाबाजार तक पहुंचने के बाद ठंडा हो गया है। नगर निगम ने शून्य दबाव मार्ग पर से दबाव हटाने की घोषणा की है और काम भी चल रहा है। हालांकि, आज दबाव के लिए बदनाम चौटा बाजार में नगर निगम की टीम पहुंचने से पहले ही दबाव टीम आने की खबर लीक होने के बाद नगर निगम की ओर से रास्ते पर से थोडा बहुत दबाव हटा लिया गया। हालांकि दबाव हटने के आधे घंटे के अंदर ही चौटा बाजार दबाव के जंगल में तब्दील हो गया।

सूरत नगर निगम ने जीरो दबाव रूट से दबाव दुर करने का काम बड़े पैमाने पर शुरूकिया। सूरत डुमस रोड और पाल आरटीओ समेत कई शून्य दबाव वाले मार्गों पर मनपा ने आक्रामक अभियान चलाकर दबाव हटाया। इससे जिस इलाके में दबाव था, वहां के लोगों को राहत मिली। लेकिन नगर निगम के दबाव राहत अभियान के बाद बाजार थक गया।

इससे पहले कि पालिका की टीम दबाव कम करने के लिए चौटा बाजार जाती, पालिका की कार्यप्रणाली की खबर लीक हो गई। जिससे लॉरी-गल्लावालों का सड़क से दबाव हट गया। इसके चलते नगर निगम की टीम दबाव हटाने में नाकाम रही और थोडा बहुत रास्ते पर से दबाव हटाकर ही संतुष्ट हुई। हालांकि नगर निगम की टीम के चौटा बाजार से निकलने के आधे घंटे के अंदर ही पहले से भी ज्यादा जोर लगाकर दबाव किया और नगर निगम के दबाव राहत अभियान को खुलेआम चुनौती दे दी है।

नगर निगम के कुछ कर्मचारी चौटाबाजार के दबाव को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों की हालत खराब हो रही है। चौटा बाजार की आधी से अधिक सड़क पर अराजक तत्वों का कब्जा हो जाने से दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है।

राजस्थान में करणी सेना प्रमुख की हत्या के खिलाफ कलेक्टर को ज्ञापन,आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग

सूरत में करणीसेना के कार्यकर्ता भगवा झंडा लेकर कलेक्टर ऑफिस पहुंचे और नारेबाजी कर विरोध जताया

सूरत में करणीसेना द्वारा विरोध जताने के साथ कलेक्टर को ज्ञापन दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजस्थान के उदयपुर में करणी सेना प्रमुख सुखदेवसिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई। इस हत्या के गहरे दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। सूरत में करणीसेना के कार्यकर्ता भगवा झंडा लेकर कलेक्टर ऑफिस पहुंचे और नारेबाजी करने के साथ ज्ञापन सौंपते हुए आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की गई।

राजस्थान में करणी सेना प्रमुख की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सुखदेवसिंह गोगामड़ी की जयपुर में दिनदहाड़े घर में घुसकर आरोपियों ने हत्या कर दी थी। उस वक्तसूरत में करणी सेना के नेताओं ने कलेक्टर को आवेदन पत्र दिया था। हत्यारों को कड़ी सजा देने की मांग की गयी। बड़ी संख्या में करणी सेना के नेता सूरत कलक्ट्रेट पहुंचे थे। जहां उन्होंने हत्यारों को कड़ी सजा देने की मांग करते हुए नारे लगाए। इस रैली में केसरिया झंडा लेकर पहुंचे करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूरे देश में संस्कृति को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ लोग उन्हें पसंद नहीं करते, इसलिए करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या कर दी जाती है। जिला कलेक्टर को दिए गए ज्ञापन में करणी सेना के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने हत्यारों की तह तक जाने के लिए उचित जांच की मांग की गई है।

वेसु नंदनवन में १०वीं मंजिल से गिरकर १७ साल के नाबालिग की मौत

देर रात १०वीं मंजिल से गिरे कक्षा १२वीं के छात्र की दु:खद मौत

पारिवारिक शोक,आत्महत्या या हादसा रहस्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बीती रात एक दुखद घटना घटी। गरोडिया परिवार का १२वीं कक्षा में पढ़ने वाला बेटा वेसू के नंदनवन अपार्टमेंट की १०वीं मंजिल से गिर गया। परिवार कल नासिक से सूरत आया था। बेटे की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है। दुसरे रूम में सो रहे माता-पिता को घटना की भनक तक नहीं लगी। बेटे के गिरने के बाद चौकीदार ने उन्हें सूचना दी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला गरोडिया परिवार कल शाम नासिक से सूरत आया था। साथ ही लंबी यात्रा के कारण थक जाने के कारण वह घर पर आराम कर रहा था। रात करीब ११ बजे मृतक खुशाल बिल्डिंग की दसवीं मंजिल से गिर गया। माता-पिता आराम कर रहे थे। इसलिए उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी। चौकीदार ने बच्चे को पड़ा देखा तो परिजनों को सूचना दी।

पूरे मामले में मृतक के बड़े पिता पवन गरोडिया ने बताया कि खुशाल कक्षा-१२ का छात्र था। अपने बड़े भाई और माता-पिता के साथ रहता था। वह अपने छोटे भाई के बेटे खुशाल को अपनी बेटी की शादी के मौके पर नासिक ले गए थे। २ तारीख से ४ तारीख तक खुशाल शादी में व्यस्त रहे। साथ ही कल यानी ५ दिसंबर को परिवार ने सापुतारा में खाना खाया और सूरत आ गए।

मृतक के बड़े पिता ने बताया कि मेरा बेटा मुझे मेरे घर छोड़ने के बाद बगल की बिल्डिंग में खुशाल को उसके घर छोड़ने गया। उसके बाद घर के लोग लम्बी यात्रा के कारण थक गये और सभी सो गये। देर रात करीब ११ बजे चौकीदार ने चिल्लाकर छोटेभाई को घटना की जानकारी दी तो खुशाल ग्राउंड फ्लोर पर खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला।

घटना की जानकारी जैसे ही मृतक खुशाल के पिता को हुई तो वह मौके पर पहुंचे। अपने बेटे को खून से लथपथ देखकर वह सदमे में आ गया। खुशाल को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खुशाल की मौत के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। पुत्र की मौत से दु:खी परिवार ने कठीन समय में भी मृतक की आंखों का दान करके मानवता की महेक फैलाई है।

एफआईईओ के अधिकारी भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए देश के ३,००० से अधिक निर्यातकों को शामिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई में एफआईईओ के क्षेत्रीय अध्यक्ष परेश के. मेहता और दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के भारत में मुख्य प्रतिनिधि समीर नवानी ने बैठक की चैंबर ऑफ कॉमर्स के मिशन ८४ प्रोजेक्ट के साथ

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश वघासिया और मानद मंत्री निखिल मद्रासी ने मंगलवार को एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ के तहत मुंबई में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (एफआईईओ) के पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष परेश के. मेहता के साथ बैठक की। इसके अलावा चैंबर के पदाधिकारियों ने मुंबई में दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के इंडिया ग्लोबल मार्केट सेक्टर के मुख्य प्रतिनिधि समीर नवानी के साथ बैठक की।

चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन पूरे भारत में ३००० से अधिक निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करता है। निर्यातकों को उनके निर्यात कारोबार को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सहायता और लाभ प्रदान करता है। यह राष्ट्रीय स्तर का संगठन भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के तहत स्थापित किया गया है और भारत से निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे विश्व स्तर पर 'मेड इन इंडिया' उत्पादों की मांग बढ़ रही है, चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा मिशन ८४ के तहत प्रयास किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात के उद्योगपति और व्यापारी और निर्यातक इस प्रवृत्ति को पहचानें और इसका लाभ उठाएं। इसके लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी न केवल सूरत और गुजरात बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, अन्य देशों के महावाणिज्य दूत, व्यापार व्यवस्था और व्यापार संघों के लिए मार्गदर्शन और सेवाएं प्रदान करने वाले विभिन्न संगठनों का दौरा कर रहे हैं।

एफआईईओ के परेश के. मेहता ने चैंबर ऑफ कॉमर्स के मिशन ८४ प्रोजेक्ट को भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण बताया और अपने पश्चिमी क्षेत्र में ३,००० से अधिक निर्यातकों तक पहुंचने और उन्हें इस परियोजना से जोड़ने का आश्वासन दिया। चैंबर अध्यक्ष ने उन्हें चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों के साथ एक बिजनेस मीट के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

इसके अलावा चैंबर के पदाधिकारियों ने मुंबई में दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के इंडिया ग्लोबल मार्केट सेक्टर के मुख्य प्रतिनिधि समीर नवानी के साथ बैठक की और उन्हें मिशन ८४ प्रोजेक्ट के बारे में पूरी तरह से अवगत कराया। उन्होंने उनसे दुबई के व्यापारियों को भी इस परियोजना से जोड़ने का अनुरोध किया, ताकि सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात के उद्योगपति और व्यापारी दुबई के व्यापारियों के सीधे संपर्क में आ सकें और उन्हें अपने उत्पाद निर्यात कर सकें।

दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के भारत के मुख्य प्रतिनिधि समीर नवानी भी मिशन ८४ से प्रभावित हुए और उन्होंने दुबई के व्यापारियों को मिशन ८४ प्रोजेक्ट के तहत सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों से जुड़ने का आश्वासन दिया। उन्होंने चैंबर अध्यक्ष से कहा कि दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स सूरत के उद्यमियों और व्यापारियों को दुबई में व्यापार करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों के एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल को अप्रैल से जून तक दुबई में एक व्यापारिक बैठक के लिए आमंत्रित किया। दूसरी ओर, चैंबर अध्यक्ष ने दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तत्वावधान में दुबई के व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल को सूरत में चैंबर ऑफ कॉमर्स और विभिन्न उद्योगों का दौरा करने और एक बिजनेस मीट के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।